संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 97
पृष्ठ 8
बुधवार
25 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित　Email : shaharsamta@gmail.com　Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

यूपी में अटल स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 662 करोड़ रुपये की 181 परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

लखनऊ, संवाददाता। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के एक दिन पूर्व मंगलवार को यहां दो दिवसीय 'अटल स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अटल जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दो दिवसीय 'अटल स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन लखनऊ के दिलकुशा लॉन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस अवसर पर लखनऊ में 662 करोड़ रुपये की लागत से 181 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''अटल जी पांच बार लखनऊ से सांसद रहे। उन्होंने देश की राजनीति को अस्थिरता से स्थिरता की ओर अग्रसर किया और पं. दीनदयान उपाध्याय की अन्त्योदय परिकल्पना को साकार किया। योगी ने कहा, ''उनके कार्यों की प्रेरणा से आज यह अटल स्वास्थ्य मेला गरीबों और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहा है। योगी ने कहा, ''अटल जी के नेतृत्व में 1998–99 में स्वास्थ्य मेलों की शुरुआत हुई थी, जो बीच में बाधित हो गई थी। अब इस परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए पिछले पांच वर्षों से अटल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2020 से 2023 के बीच इस मेले से 50 हजार से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया है। योगी ने अटल बिहारी वाजपेयी को भारतीय राजनीति का अजातशत्रु बताते हुए कहा कि उनकी सहजता और सरलता ने सभी वर्गों का दिल जीता। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में लखनऊ का सर्वांगीण विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज रक्षा मंत्री ने 662 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करके लखनऊ वासियों को बड़ी सौगात दी है। योगी ने कहा कि मेले में कृत्रिम अंग, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर और 'ब्लाइंड स्टिक जैसे सहायक उपकरण वितरित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर यह आयोजन उनकी विरासत को आगे बढ़ाने और लखनऊ वासियों को समर्पित है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

मुर्मु गुरुवार को प्रदान करेंगी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नयी दिल्ली 24 दिसंबर (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को सात श्रेणियों में असाधारण उपलब्धियों के लिए 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को श्प्रधानमंत्री राष्ट्रीय

बाल पुरस्कारश प्रदान करेंगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि सात श्रेणियों में असाधारण उपलब्धियों के लिए बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करती है। ये पुरस्कार कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण क्षेत्र में प्रदान किये जाते हैं। इस वर्ष 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को चुना गया है, जिनमें सात लड़के और 10 लड़कियाँ है। श्रीमती मुर्मु 26 दिसंबर को इन बच्चों को पुरस्कार प्रदान करेंगी। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक, प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पुस्तिका प्राप्त होगी। मंत्रालय के अनुसार वीर बाल दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम इसी दिन भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में वह सुपोषित पंचायत योजना का उद्घाटन करेंगे और मार्च पास्ट को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उद्घाटन भाषण देंगी। कार्यक्रम में पुरस्कार विजेताओं और गणमान्य व्यक्तियों के साथ लगभग 3,500 बच्चे शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में भारत की विरासत को दर्शाने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन और विविध संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले बच्चों का मार्च पास्ट शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, देश भर के स्कूलों, बाल देखभाल संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों में कहानी सुनाना, रचनात्मक लेखन, पोस्टर बनाना, निबंध लेखन, कविता और प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियाँ होंगी, जिसमें ऑनलाइन गतिविधियाँ भी शामिल हैं।

अवकाश

क्रिसमस के शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 27 दिसम्बर को प्रकाशित होगा।

–व्यवस्थापक

लहसुन 40 से 400 पहुंच गया, कुंभकरण की नींद सो रही सरकार

सब्जी मंडी पहुंचे राहुल गांधी ने पूछा रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर आम नागरिकों पर बढ़ती महंगाई के असर को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और इसकी तुलना श्कुंभकरणश से की। गिरि नगर के सब्जी बाजार की हाल की यात्रा के दौरान, गांधी ने गृहिणियों से बात की जिन्होंने बताया कि कैसे बढ़ती कीमतें उनके दैनिक जीवन को बाधित कर रही हैं। स्थिर आय और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती लागत के कारण होने वाले संकट पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने सरकारी जवाबदेही की आवश्यकता पर बल देते हुए नागरिकों से अपने मुद्रास्फीति के अनुभवों को साझा करने का आह्वान किया। राहुल ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि "लहसुन कभी 40 रुपये था, आज 400 रुपये!" बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम आदमी की रसोई का बजट – कुंभकरण की नींद सो रही सरकार! इससे पहले राहुल गांधी ने कहा था कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर दो साल में सबसे कम 5.4 फीसदी पर आ गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक प्रगति नहीं कर सकती जब तक इसका लाभ कुछ अरबपतियों तक सीमित न हो जाए, जबकि किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीबों को आर्थिक संघर्ष का सामना करना पड़ता रहे। राहुल ने एक्स पर लिखा कि भारत की जीडीपी विकास दर दो साल में सबसे कम 5.4: पर आ गई है। बात स्पष्ट है – भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक प्रगति नहीं कर सकती जब तक इसका लाभ केवल मुट्ठी भर अरबपतियों को मिल रहा है और किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीब विभिन्न आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आलू और प्याज की कीमतें करीब 50 फीसदी बढ़ने से खुदरा महंगाई दर 6.21 फीसदी हो गई है और रुपया गिरकर 84.50 पर पहुंच गया है।

बलात्कार, एसिड अटैक और पॉक्सो केस के पीड़ितों को मुफ्त इलाज से मना नहीं कर सकते हॉस्पिटल, दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि सरकारी और निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम को बलात्कार पीड़ितों, एसिड हमले और यौन हिंसा पीड़ितों को मुफ्त और तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करनी चाहिए और वे उन्हें चिकित्सा उपचार से इनकार नहीं कर सकते हैं। न्यायमूर्ति प्रथिबा एम सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने सोमवार को उस मामले में कई निर्देश जारी किए जहां एक 16 वर्षीय लड़की के साथ उसके पिता ने बलात्कार किया था।

'महाराष्ट्र चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं, वोटिंग प्रतिशत बदलना असंभव

कांग्रेस के हर सवाल का ईसी ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को कांग्रेस को एक विस्तृत प्रतिक्रिया जारी की, जिसमें हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता मतदान और मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों पर चिंताओं को संबोधित किया गया। आयोग ने कांग्रेस द्वारा किए गए दावों का खंडन करते हुए भारत की चुनावी प्रणाली की पारदर्शिता पर प्रकाश डाला। कांग्रेस ने शाम 5 बजे से लेकर अंतिम आंकड़ों तक मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में ''अकथनीय वृद्धि'' और डाले गए वोटों और गिने गए वोटों में कथित विसंगतियों पर चिंता जताई। इसने मतदाता सूची में मतदाताओं को जोड़ने और हटाने पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि इन कार्रवाइयों ने कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में परिणामों को प्रभावित किया। मतदाता मतदान प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए, ईसीआई ने इस बात पर जोर दिया कि अंतिम मतदान डेटा के साथ अंतरिम आंकड़ों की तुलना करना मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण है। शाम 5 बजे वोटर टर्नआउट ऐप पर प्रदर्शित मतदाता मतदान के आंकड़े अनंतिम और समग्र रुझान हैं, जबकि अंतिम डेटा वैधानिक फॉर्म 17सी पर आधारित है, जो डाले गए वास्तविक वोटों को दर्शाता है। चुनाव आयोग ने कहा, ये प्रक्रियाएं कठोर हैं और इनमें हेरफेर की कोई गुंजाइश नहीं है।

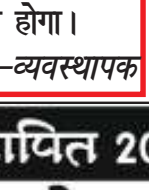

कांग्रेस ने तय किए 28 उम्मीदवारों के नाम

नई दिल्ली, एजेंसी।कांग्रेस फरवरी में होने वाले दिल्ली चुनाव में कालकाजी सीट से मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को मैदान में उतार सकती है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। उम्मीद है कि पार्टी जल्द ही 28 और उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। कांग्रेस ने इस महीने की शुरुआत में दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। उसने बादली से दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव को मैदान में उतारा है। पूर्व लोकसभा सदस्य और तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे, संदीप दीक्षित को नई दिल्ली से मैदान में उतारा गया है, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कर रहे हैं। कांग्रेस ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारून यूसुफ को बल्लीमारान, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार को पटपड़गंज और राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक को वजीरपुर से से उम्मीदवार बनाया है।

कांग्रेस के विरोध का देवेन्द्र फडणवीस ने बताया ड्रामा, संसद का समय बर्बाद करने का लगाया आरोप

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ उनके विरोध को श्नाटकश बताते हुए कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना की है। यह विरोध डॉ. बी आर अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणियों को लेकर था। फडणवीस ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस को संसद का समय बर्बाद करने और शाह

की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बात को रेखांकित किया कि गांधी परिवार ने लगातार अंबेडकर का विरोध किया। पत्रकारों से बात करते हुए, फडणवीस ने अपना रुख दोहराते हुए कांग्रेस के देशव्यापी विरोध को महज नाटकबाजी बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पहले गृह मंत्री अमित शाह के बयान को संपादित करने और उस पर राजनीति करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने संसद सत्र को खराब कर दिया। इसके साथ ही फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में अपने भाषण के दौरान जिस तरह से कांग्रेस की पोल खोली, कैसे नेहरू से लेकर इंदिरा, राजीव से लेकर सोनिया तक कांग्रेस ने लगातार संविधान का अपमान किया।

संस्थापित 2001　संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक　◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालयः 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227　E-mail: shaharsamta@gmail.com　Website: www.shaharsamta.com

पीसीएस-जे 2022 परीक्षा में गड़बड़ी की जांच न्यायिक आयोग के हवाले, 31 मई 2025 तक मांगी जांच रिपोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से आयोजित पीसीएस–जे मुख्य परीक्षा–2022 में उजागर हुई खामियों और आरोपों की जांच के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर की अध्यक्षता में एक सदस्यीय न्यायिक आयोग गठित किया है। आयोग को 31 मई 2025 तक विस्तृत जांच रिपोर्ट देनी है। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति डी. रमेश की खंडपीठ ने हल्द्वानी निवासी अभ्यर्थी श्रवण पांडेय समेत अन्य याचिकाओं की एकसाथ सुनवाई करते यह आदेश दिया। कोर्ट ने यूपीपीएससी को प्रकरण की जांच के लिए परीक्षा की समस्त उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य संबंधित दस्तावेज सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। पीसीएस जे–2022 की मुख्य परीक्षा की कॉपियों में अदला–बदली और अंकों में हेराफेरी के आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों के हाईकोर्ट पहुंचने पर यूपीपीसीएस ने सारे आरोप निराधार बताए थे। जब कोर्ट ने आयोग से कॉपियां तलब कीं तो आयोग ने पलटी मारी और आंतरिक जांच बैठा दी। आयोग ने हाईकोर्ट में कॉपियों की कोडिंग में गलती हो जाने का हवाला देते हुए अंकों की अदला–बदली की बात स्वीकार की। संशोधित परिणाम भी जारी किया। इसमें दो चयनित होकर प्रशिक्षण ले रहे न्यायिक अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया और दो नए अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। इसके बावजूद अभ्यर्थी संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने हाइकोर्ट से मामले की सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करने का अनुरोध किया था। लेकिन, कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया। हालांकि, कोर्ट ने कहा था कि पीड़ितों के लिए उनका दरवाजा हमेशा खुला है। इसके बाद श्रवण के अलावा दूसरे कई अभ्यर्थियों ने भी हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की और भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। याचियों का कहना था कि उत्तर सही होने के बावजूद उन्हें शून्य अंक दिया गया है या फिर अंक जोड़े ही नहीं गए। आरोप यह भी है कि प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद जानबूझकर उनके अंक कम कर दिए गए। कोर्ट ने शिकायतों के मद्देनजर उत्तर पुस्तिकाओं को भी तलब किया था। साथ ही, अंकों को वेबसाइट पर अपलोड करने का आदेश भी दिया था। आयोग ने नंबर अपलोड भी किए। कोर्ट ने गंभीर गड़बड़ियों की आशंका को देखते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थिति में उत्तर पुस्तिकाओं के न्यायिक मूल्यांकन की आवश्यकता है। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर की अध्यक्षता में एक सदस्यीय न्यायिक आयोग गठित किया है। 31 मई 2025 तक आयोग की रिपोर्ट आ जाने के बाद प्रकरण की अगली सुनवाई जुलाई–25 के पहले हफ्ते में नियत की गई है। पांच अधिकारियों पर की गई थी कार्रवाई जुलाई–24 में पोल खुलने के बाद आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत के निर्देश पर पांच अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इनमें अनुभाग अधिकारी शिवशंकर, समीक्षा अधिकारी नीलम शुक्ला और सहायक समीक्षा अधिकारी भगवती देवी को निलंबित किया गया था। वहीं, पर्यवेक्षणीय अधिकारी–उप सचिव सतीश चंद्र मिश्र के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है। सेवानिवृत्त हो चुकी सहायक समीक्षा अधिकारी चंद्रकला के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी।

एलटी ग्रेड व प्रवक्ता के चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का विज्ञापन वर्ष 2018 व प्रवक्ता भर्ती का 2020 में जारी किया था। दोनों ही भर्ती परीक्षाओं की पहली मेरिट में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिलने के बाद रिक्त रह गईं सीटों को भरने के लिए आयोग ने द्वितीय अवशेष श्रेष्ठता सूची जारी की थी। इसमें चयनितों के अभिलेख सत्यापन के बाद आयोग ने 511 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की संस्तुति माध्यमिक शिक्षा विभाग को भेजी थी। आयोग ने डेढ़ साल पहले द्वितीय अवशेष श्रेष्ठता सूची जारी की थी। वहीं, सालभर पहले चयनितों की लिस्ट माध्यमिक शिक्षा विभाग को भेज दी थी। लेकिन, नियुक्ति की प्रक्रिया लंबे समय तक अटकी रही। बाद में शासन की ओर से निर्देश जारी किए जाने के बाद अब माध्यमिक शिक्षा विभाग ने नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए 27 दिसंबर तक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन के आधार पर अभ्यर्थियों को विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। चयनितों को हिंदी, जीव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, कला, संगीत, गणित, गृह विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, नागरिक शास्त्र, वाणिज्य, संस्कृत, इतिहास विषय में नियुक्ति मिलनी है। माध्यमिक शिक्षा के निदेशक डॉ.महेंद्र देव के अनुसार आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन नियुक्तिध्पदस्थापन प्रक्रिया में प्रतिभाग न करने की दशा में अभ्यर्थी को अन्य अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा और विभाग का निर्णय अंतिम होगा। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से पूरी की जाएगी। अभ्यर्थियों की सुविधा और किसी भी तरह की समस्या के निराकरण के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने ईमेल आईडी (onlineteachertransfer2024@gmail) व मोबाइल नंबर (9368636558) जारी किया है। मोबाइल नंबर पर किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 10 से शाम पांच बजे तक कॉल करके या व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है।

आरओ–एआरओ पेपर लीक मामले में दो अभ्यर्थी गिरफ्तार

उप्र लोक सेवा आयोग की आरओ–एआरओ भर्ती परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण में सोमवार को दो अभ्यर्थी गिरफ्तार किए गए। दोनों ने पेपर लीक करने वाले गिरोह के सरगना व उसके करीबियों से 12–15 लाख में डील की थी। साथ ही भोपाल के होटल में जाकर प्रश्न व उत्तर रटने में भी शामिल थे। पकड़े गए युवकों में प्रयागराज के मेजा थाने के सिरसा के रमकियान निवासी अचल सेठ का बेटा धर्मेंद्र और आजमगढ़ के तहबरपुर थाने के बीबीपुर कदीम निवासी राजनाथ राम का बेटा रजनीश शामिल है। धर्मेंद्र को कानपुर नगर के बजरिया थाने के पी रोड स्थित हरसहाय जगदंबा इंटर कॉलेज के पास से रविवार शाम 04:45, जबकि रजनीश को एसटीएफ कार्यालय गोरखपुर से दोपहर 03:45 बजे हिरासत में लिया गया। एसटीएफ के मुताबिक दोनों ने पूछताछ में बताया कि वह पेपर लीक कराने वाले गैंग के संदीप पांडेय के संपर्क में थे। आठ फरवरी को वह प्रयागराज से ट्रेन के माध्यम से भोपाल पहुंचे। जहां से संदीप के बताने के अनुसार ही होटल कमल पैलेस, आनंद नगर गए। वहां संदीप ने उन्हें कमरा नंबर 202 में रुकवाया। होटल के रजिस्टर में एंट्री के समय उसने अपनी आईडी भी दी थी। वहां 07–08 अन्य लड़के भी थे। अगले दिन दोपहर को संदीप, गैंग के विशाल, सुभाष प्रकाश, विवेक उपाध्याय व तीन–चार अन्य लोगों के साथ प्रश्नपत्र लेकर वहां आए। इसमें सामान्य अध्ययन व हिंदी के प्रश्न थे। इन प्रश्नों को गूगल के माध्यम से हल करवाने के बाद सभी युवकों को प्रश्न–उत्तर रटवाए गए। शाम को सभी लोगों से प्रश्न–उत्तर वापस ले लिए गए और वापस जाकर परीक्षा देने को कहा गया। 11 फरवरी को परीक्षा में वही प्रश्न आए, जो रटवाए गए थे। दोनों अभियुक्तों ने बताया कि इसके लिए संदीप ने 12–15 लाख रुपये लिए थे। एसटीएफ ने बताया कि आरोपी संदीप को उसके साथियों सहित 23 जून को ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तार किए गए दोनों अभ्यर्थियों को साजिश में शामिल होने का आरोपी बनाया गया है। उन्हें सोमवार को लेकर एसटीएफ सिविल लाइंस थाने पहुंची। प्रकरण से संबंधित मुकदमे में गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। एसटीएफ सीओ लाल प्रताप सिंह ने बताया कि उन्हें जेल भेज दिया गया है।

एआई टेंडर के लिए तीन कंपनियों ने किया आवेदन

प्रयागराज। यूपी बोर्ड 2025 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 24 फरवरी 2025 से शुरू होकर 12 मार्च 2025 तक चलेंगी। परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। पहली पाली में परीक्षा सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली पॉली दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगा। परीक्षाओं की शुचिता के लिए इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए यूपी बोर्ड ने टेंडर निकाला था। 21 दिसंबर तक आवेदन मांगे गए थे। तीन एजेंसियों के आवेदन आए हैं। हालांकि, अभी किसी एजेंसी को अंतिम रूप से चयनित नहीं किया गया है। टेक्निकल और फाइनेंशियल बिड देखने के बाद एजेंसी फाइनल की जाएगी।

शक्तिपीठों के आधार पर अखाड़ों में नागा संन्यासियों की मढ़ियां, हर मढ़ी के होते हैं श्रीमहंत

प्रयागराज। सनातन संस्कृति का सुंदर–सलोना स्वरूप देखना हो तो नागा संन्यासियों की दुनिया देखिए। बाहर से इनका दिगंबर वेश जहां लोगों को असहज करता है तो भीतर से इनकी मढिध्यां शक्ति केंद्रों के रूप में काम करती हैं। दशनामी परंपरा के नागा संन्यासियों के अखाड़ों में अलग–अलग मढिध्यों की स्थापना की गई हैं। इन मढिध्यों के मायने भी सनातन परंपरा में ऊंचे मानकों पर स्थापित हैं। हर मढ़ी के श्रीमहंत होते हैं। दूधेश्वर नाथ मंदिर के पीठाधीश्वर जूना अखाड़े के प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि बताते हैं आदि शंकराचार्य के सनातन धर्म के संदेशों को प्रचारित करने के लिए प्राचीन काल में मठों के रूप में केंद्र स्थापित किए गए थे। उन केंद्रों को मठिका कहा जाता था। बाद में मठिका का यही रूप परिवर्तित होकर मढ़ी के रूप में प्रचलित हो गया। आवाहन अखाड़े के पूर्व सचिव श्रीमहंत समुद्र गिरि के अनुसार अखाड़ों की मढ़ियां ही आंतरिक ढांचे में शक्ति केंद्र के रूप में मानी जाती हैं। इन मढिध्यों की स्थापना देश भर में 51 देवी शक्तिपीठों के रूप में की गई है। इन मढ़ियों को देवी की मढ़ी भी कहा जाता रहा है। महंत समुद्र गिरि बताते हैं कि कई देवी मंदिरों को भी मढ़ी के रूप में जाना जाता है। दशनामी परंपरा के नागा संन्यासियों में पर्वत, सागर, वन, भारती, पुरी, गिरि, सरस्वतियों के अलावा सभी संन्यासियों की कोई न कोई मढ़ी जरूर होती है। मान्यता है कि भगवान शिव माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर रहते थे। आदि शक्ति माता पार्वती की उपस्थिति मानकर पद्म संभव संन्यासियों ने तिब्बत में एक केंद्र स्थापित किया। इसे लामा मढ़ी के नाम से जाना जाता है। इस तरह नागा संन्यासियों की 52 मढिध्यों में 27 मढिध्यां गिरि पद धारियों की, 17 मढिध्यां पुरी पद धारण करने वाले नागाओं की और चार–चार मढिध्यां भारती, वन पद धारियों की और एक मढ़ी लामाओं की ओर से स्थापित की गई है। तीर्थों, आश्रमों, अरण्यों की भी मढिध्यां शक्ति केंद्रों के रूप में काम कर रही हैं। आचार्य परंपरा आदि गुरु शंकराचार्य की देन मानी जाती है। तीर्थ और आश्रम हों या गिरि, पुरी, अरण्य, वन, सरस्वती, भारती संन्यासियों का यह नामकरण शंकराचार्य की आतार्य परंपरा से आरंभ हुआ है।

सीएम योगी की फ्लीट के रूट पर स्टंट, बेकाबू रफ्तार से दौड़ाई कारें, चार हिरासत में, दो गाड़ियां सीज

प्रयागराज। सीएम योगी की फ्लीट आने से ठीक पहले वीआईपी रूट पर आठ कारों से आए दो दर्जन युवकों ने हंगामा मचा दिया। छतों व दरवाजों पर लटककर हूटर बजाते हुए बेकाबू रफ्तार से कारें दौड़ाईं, जिससे अफरातफरी मच गई। पुलिस ने खदेड़ा तो अन्य भाग निकले जबकि दो कार पर सवार चार युवक पकड़ लिए गए। दोनों कारें सीज कर पुलिस उनसे पूछताछ में जुटी रही। घटना दोपहर 3रू30 बजे के करीब हुई। सीएम योगी आदित्यनाथ को सिविल लाइंस में सरोजिनी नायडू मार्ग पर बनाए गए वीआईपी रूट से होकर विकास कार्यों के निरीक्षण के लिए सूबेदारगंज जाना था। इसके लिए एजी ऑफिस चौराहे से पत्थर गिरिजाघर तक जगह–जगह पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। सिविल लाइंस थाने की फोर्स के साथ एसीपी सिविल लाइंस श्यामजीत प्रमिला सिंह भी लगातार रूट क्लीयर कराने व सुरक्षा के लिए गश्त कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आठ कारों का एक काफिला बहुत तेजी से एजी ऑफिस चौराहे की ओर से आया। इसमें से कुछ कारों पर हूटर भी लगे थे। हूटर बजाते हुए कारें आईं तो लोगों को लगा कि सीएम की फ्लीट आ गई है। हालांकि, जब बेकाबू रफ्तार में दौड़ रही इन कारों की छतों व दरवाजों पर लटककर स्टंट करते युवक दिखे तो लोग दंग रह गए। स्टंटबाजों के काफिले के प्रधान डाकघर के पास पहुंचते ही यहां गश्त कर रहे सिविल लाइंस इंस्पेक्टर रामाश्रय यादव की नजर पड़ी तो उन्होंने इन्हें रोकना चाहा। इस पर युवक कारें मोड़कर भागने लगे। इंस्पेक्टर ने मयटीम पीछा किया तो दो कारों पर सवार चार युवकों को पकड़ लिया गया। जबकि उनके अन्य साथी भाग निकले। इसके बाद कार समेत चारों युवकों को थाने लाया गया। जहां दोनों कारें सीज कर दी गईं। पकड़े गए युवक सिविल लाइंस स्थित एक नामी कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। उधर, थाने पहुंचे एक युवक के परिजनों ने पुलिस से बताया कि वह कोचिंग जाने की बात कहकर घर से निकला था। चार युवकों को हिरासत में लिया गया है। उनके कब्जे से बरामद दो कारें भी सीज कर दी गई हैं। उनके परिजनों को बुलाया गया है।

हो सकता था बड़ा हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जिस तरह से तेज रफ्तार में कारें दौड़ाते हुए युवक स्टंट कर रहे थे, उससे बड़ा हादसा हो सकता था। उनके खुद के हादसे का शिकार होने के साथ राहगीरों के भी चपेट में आने का खतरा था। प्रत्यक्षदर्शियों का तो यह भी कहना है कि स्टंट करने वालों में कुछ नाबालिग भी लग रहे थे। अगर ऐसा है तो सवाल यह भी है कि नाबालिग होते हुए भी वह वाहन कैसे चला रहे थे।

कुंभ पर फिल्म बनाना चाहते थे श्याम बेनेगल... प्रयागराज से था गहरा लगाव

प्रयागराज। दिग्गज फिल्मकार श्याम बेनेगल का संगमनगरी से गहरा नाता रहा है। विख्यात साहित्यकार धर्मवीर भारती के उपन्यास सूरज का सातवां घोड़ा पर फिल्म बनाकर तो वह इस मिट्टी से जुड़े ही थे, प्रयाग संगीत समिति में टिकट लेकर नाटक देखने का भी उनका संस्मरण लोगों को याद है। कुंभ का फलक उनके लिए बहुत बड़ा था। वह कुंभ पर फिल्म भी बनाना चाहते थे, लेकिन शायद नियति को यह मंजूर नहीं था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फिल्म स्टडी सेंटर के कन्विनर रहे प्रो. महेश चंद्र चट्टोपाध्याय से उनकी कई स्मृतियां जुड़ी हैं। निधन की खबर मिलने के बाद चट्टोपाध्याय ने बेनेगल से अपने पुराने रिश्तों को याद किया। बताया कि डिस्कवरी ऑफ इंडिया की शूटिंग के लिए बेनेगल प्रयागराज आए थे। फिल्म सोसाइटी के 25 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने एक पत्र भी चट्टोपाध्याय को लिखा था, जो अब भी उनके पास सुरक्षित है। प्रो. चट्टोपाध्याय बताते हैं कि डिस्कवरी ऑफ इंडिया की शूटिंग के दौरान उनसे जब पूछा गया कि बच्चों के लिए फिल्में क्यों नहीं बनाई जातीं। तब उनका जवाब था कि शोले है तो। उनका कहना था कि जिसे बच्चे देखें, वही तो बच्चों की फिल्म होगी। धर्मवीर भारती के उपन्यास सूरज का सातवां घोड़ा पर फिल्म बनाने वाले बेनेगल महाकुंभ पर भी फिल्म बनाने की सोचते रहे। एक सेमिनार में मुलाकात के दौरान इस बात को उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मीडिया स्टडी सेंटर के कोर्स कोआर्डिनेटर प्रो. धनंजय चोपड़ा से साझा किया था। प्रो. चोपड़ा बताते हैं कि वह प्रयागराज की मिट्टी से बहुत गहरा लगाव रखते थे। ओबरा पावर प्लांट पर भी उन्होंने डाक्यूमेंट्री बनाई थी। तब बेनेगल ने उनसे कुंभ की विस्तार से चर्चा की थी। बेनेगल कुंभ पर फिल्म बनाने के लिए लंबे समय तक सोचते रहे, लेकिन उनकी यह आस अधूरी ही रह गई। प्रो. चोपड़ा बताते हैं कि इलाहाबाद नाट्य संघ की ओर से एक बार प्रयाग संगीत समिति में नाट्य समारोह आयोजित किया गया था, तब बेनेगल उस समारोह में नाटक देखने के लिए टिकट लेकर पहुंचे थे।

मेधावी दिव्यांगों के सपनों को उड़ान देगी छात्रवृत्ति, 12 राज्यों और देश के 75 जिलों से आए थे विद्यार्थी

प्रयागराज। 'कौन है जिसके पास कुछ कमी नहीं, आसमां के पास भी तो जमीं नहीं...' दिव्यांगता को हराते हुए अपनी मेधा से मुकाम हासिल करने वाले ऐसे ही मेधावियों को श्री डोरीलाल अग्रवाल राष्ट्रीय मेधावी दिव्यांग छात्रवृत्ति प्रदान की गई। सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के जेपी सभागार में अमर

उजाला फाउंडेशन, दिव्यांग सेवा चौरिटेबल ट्रस्ट और विकलांग सहायता संस्था की ओर से 12 राज्यों के 93 मेधावियों को 17.16 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित, प्रदेश सरकार की दिव्यांगजन विभाग की ब्रांड एंबेसडर हिमानी बुंदेला ने दिव्यांगों में जोश भरा। उन्होंने कहा कि सात साल पहले मैं भी दर्शक दीर्घा में बैठी थी, लेकिन मैंने हार नहीं मानी और आज आपके बीच मुख्य अतिथि के रूप में हूं। उन्होंने लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। संस्था सचिव अनिल अग्रवाल ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। कार्यक्रम संयोजक सुनील विकल ने छात्रवृत्ति की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एफमेक अध्यक्ष और उद्यमी पूरन डावर ने की। उन्होंने युवाओं को उद्यमशील बनने के लिए कहा, जिससे वो समाज के लिए कुछ कर सकें। ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने ट्रस्ट के सफर और छात्रवृत्ति प्राप्त कर चुके सफल छात्रों की कहानी से दिव्यांगों में प्रेरणा भरी। समारोह में शैलेंद्र नरवार निर्देशित संस्था की डाक्यूमेंट्री का विमोचन और प्रदर्शन भी किया गया। अंत में छात्रवृत्ति में शीर्ष स्थान पर रहने वाले 15 दिव्यांगों को मंच से उतरकर अतिथियों ने छात्रवृत्ति दी। कार्यक्रम में दिव्यांग सेवा चौरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक रामशरन मित्तल, अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश, सचिव प्रेम शंकर अग्रवाल, उद्यमी डॉ. रंजना बंसल, मुरारी लाल गोयल पेंट उपस्थित रहे। अंत में उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद किया। संचालन डॉ. मुनीश्वर गुप्ता और रीनेश मित्तल ने किया। जेएस फौजदार, राजकुमार जैन, अतुल गुप्ता, डॉ. विनोद माहेश्वरी, डॉ. अरुण चतुर्वेदी, जितेंद्र फौजदार, डॉ. रुचि चतुर्वेदी, रेणुका डंग, डॉ. वीके आहूजा, मुनेंद्र जादौन, दिवाकर तिवारी, निर्मला दीक्षित, राकेश शुक्ला, मनीष अग्रवाल, नंद किशोर गोयल, प्रतिभा जिंदल, श्रुति सिन्हा, बबिता पाठक, वत्सला प्रभाकर, रितु गोयल आदि मौजूद थीं।

प्रशासन की मिलीभगत से चलते हैं ओवर लोड ट्रक

गंगापार। यमुनापार के प्रयागराज रीवा हाईवे पर देर रात अवैध ओवर लोड वाहनों की संख्या भले इन दिनों पहले से बहुत कम हो गई हो लेकिन इस कार्य में सहयोग देने वाले खनन कर्मियों और परिवहन कर्मियों की कमाई जस की तस ही है। होता यह है कि गाड़ी कम होने पर लेन देन का भाव भाव जाता है जिससे ट्रक संचालकों को नुकसान तो होता है लेकिन लिप्त कर्मियों की कमाई पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता। जानकारी कुछ इस तरह की मिली है कि परिवहन विभाग प्रति ट्रक पांच से दस हजार रुपए की दर से ओवर लोड वाहनों को चलने के लिए इंट्री देता है, इसी तरह खनन विभाग भी अपनी हिस्सेदारी लेकर ओवर लोड वाहनों को निकलने की परमिट दे देता है। अब जो ट्रक इन दोनों विभागों को उनकी किश्त दे देते हैं उनके ट्रकों के नंबर की लिस्ट वाहन जांच करने के लिए निकलने वाली टीम के पास रहता है। यदि संयोग से किसी भी ट्रक का नंबर उस लिस्ट में नहीं मिला तो उसकी खैर नहीं होती। पहले तो उस वाहन को रोककर उसके संचालक से लेन देन की बात होती है ,बात बन गई तो ठीक वरना उसे सीज कर दिया जाता।

साइबर क्राइम की जागरूकता ही बचाव

गंगापार। जसरा के श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा में साइबर सेल प्रयागराज द्वारा साइबर सुरक्षा जागरुकता से संबंधित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साइबर एक्सपर्ट इंजीनियर जय प्रकाश ने छात्रों को साइबर सुरक्षा से जुड़ी हुई बारीकियों के बारें में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को बताया कि हमारा सारा डाटा इंटरनेट पर उपलब्ध रहता है। उसका दुरुपयोग करके हमसे हमारा ही पैसा हमारे खाते से छीन लिया जाता है। इसलिए हमें स्पैम ओटीपी, स्पैम कॉल, अनाधिकृत एप, गेमिंग एप, बैंक फ्रॉड आदि से सावधान रहने की जरूरत है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ योगेन्द्र सिंह ने स्वागत और आभार प्रकट किया।

नगर निकाय निदेशक ने देखा सीएनजी प्लांट का काम

प्रयागराज। नगर निकाय निदेशक अनुज झा ने सोमवार को अरैल में कूड़े से सीएनजी बनाने वाले निर्माणाधीन प्लांट का निरीक्षण किया। पर्यावरण अभियंता उत्तम कुमार वर्मा के साथ प्लांट गए निकाय निदेशक इसका निर्माण कर रही एजेंसी के संचालक से मिलना चाहते थे। निदेशक प्लांट को जल्द चालू कराना चाहते हैं। निदेशक की एजेंसी संचालक से मुलाकात नहीं हो पाई। निकाय निदेशक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश के नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार के साथ महाकुम्भ के कामों का निरीक्षण करने आए थे। निरीक्षण के बाद निदेशक निर्माणाधीन प्लांट देखने गए।

डीएलएड की काउंसिलिंग 30 दिसंबर से

प्रयागराज। परीक्षा नियामक प्राधिकारी की ओर से डीएलएड प्रशिक्षण 2024 में ऑनलाइन आवेदन करने वाले तीन लाख 25 हजार 769 अभ्यर्थियों की मेरिटध्स्टेट रैंकिंग 26 दिसंबर की दोपहर तक वेबसाइटीजजचेरूध्न्चकमसमक.हवअ.पद पर जारी कर दी जाएगी। अभ्यर्थी कॉलेजों का विकल्प भरने के लिए 30 दिसंबर से आवेदन कर सकेंगे। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार आठ जनवरी से 20 जनवरी तक आवंटित संस्थान में अभिलेखीय जांच व प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। प्रशिक्षण संस्था की ओर से प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन रिपोर्टध्लॉक करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन रिपोर्टध्लॉक न किए जाने पर लिया गया प्रवेश मान्य नहीं होगा। रैंक एक से दो लाख 40 हजार तक के अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण संस्थान का विकल्प भरने के लिए पांच हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। 30 दिसंबर से दो जनवरी तक वेबसाइट पर आवेदन करने वाले रैंक एक से 20 हजार तक के अभ्यर्थियों के संस्था आवंटन का प्रकाशन तीन जनवरी को होगा।

'ग्राम पंचायतों की सार्वजनिक परिसम्पत्तियों को संरक्षित करने का कार्य नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ सहित जिला प्रतापगढ़ के सभी नवसृजित नगर पंचायतें करें - राजीव नयन मिश्र एडवोकेट'

प्रतापगढ़ । नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ के डेढ़ साल से ज्यादा समय बीत जाने के नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ में समाहित ग्राम पंचायतों की सार्वजनिक परिसम्पत्तियों जिसमें सामुदायिक शौचालयों, पंचायत भवनों की सामाग्री जो ब्लॉक मान्धाता में संरक्षित है। इसको नगर पंचायत को हस्तगत कराने के लिए राजीव नयन मिश्र एडवोकेट वार्ड नं01 पूरे तोरई नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ के लगातार डेढ़ साल से ज्यादा समय से प्रयास से माननीय जिला पंचायत राज अधिकारी प्रतापगढ़ द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता आदेश प्रत्रांक 4457ध 7–पं0ध्लेखाध्नगर पंचायतध 2024–25 दिनांक 26.10.2024 समस्त सहायक विकास अधि ाकारी (पं) जनपद प्रतापगढ़ को आदेशित किया गया है कि नगर पंचायत मे समाहित ग्राम पंचायतों के अभिलेखों (चलध अचल सम्पत्ति) को नगर पंचायत में हस्तगत किया जाये। यह आदेश नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ सहित जिला प्रतापगढ़ के समस्त नवसृजित नगर पंचायतों में समाहित ग्राम पंचायतों की सार्वजनिक परिसम्पत्तियों को हस्तगत कर संरक्षित करने के लिए है। जिले के सर्वोच्च अधि ाकारी के आदेश के बाद नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ के पंचायत भवनों की सारी सामाग्री ब्लॉक मान्ध ााता प्रतापगढ़ से दिनांक 26.12.2024 को लाने की बात कही गई है। जिले के सभी नवसृजित नगर पंचायतों को श्रीमान पत्रकार बन्धूओं के माध यम से आदेश की प्रतिलिपि के साथ अवगत कराते हुये कहना चाहता हूँ कि जिले के सर्वोच्च अधिकारी के सर्वोच्च प्राथमिकता आदेश का पालन करते हुये जिला प्रतापगढ़ के सभी नवसृजित नगर पंचायतों में समाहित ग्राम पंचायतों की सार्वजनिक परिसम्पत्तियों को हस्तगत कराकर संरक्षित करें और जनता के उपयोग में लायें जनहित के कार्यो में सभी भागीदार बने और एक अच्छे समाज की परिकल्पना करें। परिवर्तन की सोच और निस्वार्थ भागीदारी से ही समाज का विकास होगा।

राज्य महिला आयोग की सदस्य आंगनबाड़ी केन्द्र बड़नपुर में पहुँचकर अन्न प्राशन व गोद भराई कार्यक्रम में हुई सम्मिलित

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य गीता विश्वकर्मा ने आंगनबाड़ी केन्द्र बड़नपुर तृतीय में पहुँचकर अन्न प्राशन व गोद भराई कार्यक्रम में सम्मिलित हुई। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्योति शाक्य द्वारा राज्य महिला आयोग की सदस्य का स्वागत किया गया। राज्य महिला आयोग की सदस्य द्वारा तीन बच्चों का सदव, आयुष एवं युग का अन्नप्राशन एवं तीन गर्भवती महिलाओं सुनीता, आरती एवं संतोषी यादव की गोद भराई की गयी। इस दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी, क्षेत्रीय मुख्य सेविका एवं केंद्र पर तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका व बच्चों उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने जिला कारागार एवं जिला महिला अस्पताल का किया निरीक्षण,

महिला आयोग की सदस्य ने जिला कारागार में महिला बन्दियों से मिलकर उनके प्रकरणों की ली जानकारी

प्रतापगढ़। राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा ने जिला कारागार का निरीक्षण कर महिला बंदियों की समस्याओं को सुना एवं जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने महिला बैरक का निरीक्षण कर महिला बन्दियों से उनके प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की और वहां पर नवनिर्मित महिला बन्दियों के स्वास्थ्य कक्ष और बच्चो के पढ़ाई कक्ष को देखा एवं सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने महिला बैरक में सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण किया जहां पर थैले की सिलाई की जा रही थी, महिला बन्दियों द्वारा बनाये गये बच्चों के ड्रेस को देखा और निर्देशित किया कि बच्चे के ड्रेस उच्च गुणवत्तायुक्त बनाये जाये जिससे बाजारों में उसकी अलग पहचान रहे। उन्होने इस दौरान महिला बन्दियों के छोटे बच्चों को खाने की सामग्री भी भेंट की। उन्होने जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान बंदियों द्वारा निर्मित आंवला उत्पाद का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने जिला कारागार में बने अस्पताल का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य, दवाओं आदि की जानकारी ली। उन्होने पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता को देखा तथा पुस्तकालय में ई–लाइब्रेरी को देखा तो बताया गया कि 6 बच्चे परीक्षा की तैयारी कर रहे है। उन्होने जिला कारागार चिकित्सालय में हेल्थ एटीएम व ईसीजी मशीन कक्ष का अवलोकन भी किया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी, डिप्टी जेलर आफताब अंसारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी राम बाबू विश्वकर्मा सहित ऋचा ओझा, नीरजा कुमारी, अभय कुमार, प्रभात पाण्डेय आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार राज्य महिला आयोग की सदस्य ने जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं को देखा एवं सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होने बच्चों के आईसीयू वार्ड का भी निरीक्षण किया।

सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च केजीएमयू ने जोश और उत्साह के साथ मनाया अपना पहला स्थापना दिवस

लखनऊ, संवाददाता। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ के सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च ने आज अपने पहले स्थापना दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर के प्रसिद्ध कलाम सेंटर में हुआ। इस मौके पर फैकल्टी, छात्र, और कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद मौजूद रही। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कौशिक मंडल प्रोफेसर, मेडिकल जेनेटिक्स पीजीआईएमएस लखनऊ भी मौजूद थे। इसके अलावा, कार्यक्रम में प्रो. अजीत कौर (प्रो–वाइस चांसलर, केजीएमयू), प्रो. अमिता जैन (डीन एकेडमिक्स, केजीएमयू) और प्रो. हरदीप सिंह मल्होत्रा (डीन रिसर्च, केजीएमयू) शामिल हुए। इसके बाद प्रो. विमला वेंकटेश (फैकल्टी इंचार्ज, सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च) ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ कौशिक मंडल ने बताया कि कैसे सही डायग्नोस्टिक्स (निदान) स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और जटिल अनुवांशिक बीमारियों के प्रबंधन में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम का समापन डॉ. नीतू निगम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद सभी के लिए हाई टी रखी गई। प्रो. विमला वेंकटेश के नेतृत्व में आयोजन टीम ने पूरे कार्यक्रम को बेहतरीन तरीके से संचालित किया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा (आवेदन) नोटिस सं. सीएम-1/एटीवीएम/फैसिलिटेटर/महाकुम्भ मेला/पार्ट-II/प्रयागराज/2025
दिनांक- 24.12.2024

चतुर्थ शुद्धि पत्र

कार्य का विवरण:- प्रयागराज जं. (संगम छरिया सहित), सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज-छिवकी स्टेशनों पर महाकुम्भ मेला 2025 हेतु लगायी जाने वाली अतिरिक्त ATVM के संचालन हेतु Facilitator की नियुक्ति के संबंध में।

पूर्व प्रकाशित

निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 13.00 बजे तक।

निविदा खोलने की संशोधित तिथि

निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 31.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 31.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 31.12.2024 को 15.00 बजे।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.
1800 4199 139
1827/24(A)
North central railways | @CPRONCR

आठवें रामगढ़ महोत्सव मे होगी श्री राम कथा

चलो महाकुंभ चलें अभियान की होगी शुरुवात

सजेगी कवियों की महफिल/ गाये जायेंगे गीत व भजन

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र के शंकरगढ़ ब्लाक के सोनवर्षा ग्राम स्थित अति प्राचीन शिव ध ााम रामगढ़ धाम में आठवें रामगढ़ महोत्सव का भव्य आयोजन 27 से 29 दिसंबर तक होगा। प्रतिदिन 3 बजे से 6 बजे तक श्री राम कथा का आयोजन होगा। समय समय पर चलो महाकुंभ चलें अभियान पर केंद्रित विविध आयोजन व गतिविधियां होगी। महोत्सव के संयोजक सचिन सिंह ने बताया कि 27 दिसंबर को दोपहर 12 बजे पूर्व सांसद व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केशरी देवी व विधायक बारा डॉ बाचस्पति जी मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुवात कर महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। 28 दिसंबर को किसान सम्मेलन का आयोजन होगा जिसके मुख्य अतिथि अनुज सिंह प्रदेश अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष लल्लू प्रसाद पटेल होंगे। चलो कुंभ चलें काव्य समारोह का आयोजन होगा जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार जन कवि प्रकाश तथा संचालन यमुनापार के सुप्रसिद्ध लोक कवि अशोक बेशरम करेंगे। कवियों में डॉ निलिमा मिश्रा, नजर इलाहाबादी, संतोष शुक्ल समर्थ व जितेंद्र मिश्र जलज प्रतिभाग करेंगे।

वही विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रसिद्ध लोक गायिका प्रतिमा मिश्रा व साथियों द्वारा प्रस्तुत होगा। सचिन ने बताया की 29 दिसंबर को प्रसिद्ध हास्य कवि ठाकुर इलाहाबादी के संयोजन में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। आमंत्रित कवि गणो में अतुल शर्मा, राम सुरेशअंजाना , सत्येंद्र शुक्ल सजग, रेनू मिश्रा, बेदानंद वेद, प्राणेश जी व बिपिन बिहारी काव्य पाठ करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद उज्ज्वल रमण सहभागिता करेंगे। उन्होंने बताया की धाम के मार्गदर्शक सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर जी व यमुनापार विकास समिति के अध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह 28 व 29 दिसंबर को महोत्सव में प्रतिभाग कर सभी कार्यकर्ताओ व क्षेत्रीय नागरिको का उत्साह वर्धन करेंगे। साथ चलो कुंभ चलें अभियान की शुरुवात करेंगे।

'भोगे हुए यथार्थ की परछाई हैं बूढ़ी माँ की कहानियाँ - डॉ0 चन्द्रा'

प्रयागराज । 'बूढ़ी माँ कहानी संग्रह की सभी कहानियाँ भोगे हुए यथार्थ की परछाईं बनकर हिन्दी साहित्य में पाठकों को सुखद छांव का अहसास कराती हैं । बूढ़ी माँ को पढ़ने के बाद लगता है कि पाठक स्वयं किसी न किसी रूप में कहानियों के पात्र में विद्यमान है'द्य उपरोक्त विचार साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा प्रकाशित डॉ राम लखन चौरसिया वागीश के कहानी संग्रह बूढ़ी माँ के लोकार्पण के बाद अपने वक्तव्य में कानपुर से पधारे समारोह के विशिष्ट वक्ता डॉ सुभाष चंद्रा ने रखा द्य उन्होंने कहा कि बहुत अल्प समय में ही साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज ने उत्कृष्ट साहित्य की श्रृंखला बना कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है । लोकार्पण समारोह बंद रोड स्थित वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती उमा सहाय के आवास पर मुख्य अतिथि अजामिल तथा अध्यक्षता जया मोहन के सानिध्य में सम्पन्न हुआ द्य इसका सफल संचालन रंजन पाण्डेय द्वारा किया गयाद्य मंच पर डॉ राम लखन चौरसिया वागीश (लेखक) डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय (प्रकाशक) भी उपस्थित रहे द्य मुख्य अतिथि श्री अजामिल जी ने कहा कि वागीश का रचनात्मक धरातल बहुत समृद्ध और सशक्त है द्य जया मोहन ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि उच्चकोटि की गुणवत्ता के लिए साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज ने अपनी अलग पहचान बनाने में सफलता पायी है द्य उमा सहाय जी ने भी अपनी शुभकामनायें दी द्य केशव प्रकाश सक्सेना , मध ुकर मिश्रा , रीता मिश्रा , नीतू सहाय , विश्व ज्योति सहाय सहित अनेक साहित्य प्रेमी समारोह में उपस्थित रहे द्य धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ उपाध्याय ने आगामी आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी को पुनः सादर आमंत्रित किया ।

सनातन संस्कृति,संस्कार,आस्था,अध्यात्म का महामहोत्सव है महाकुंभ :अशोक

करछना। तीर्थराज प्रयाग में नववर्ष से आरंभ होने वाला महाकुंभ हमारी सनातन संस्कृति संस्कार,आस्था,अध्यात्म का

महामहोत्सव है। जहां एक ओर विश्वमानवमूल्यसंसाधन केंद्र के रूप में तीर्थराज प्रयाग में प्रज्ञा की महिमा के अनुरूप मां गंगा–जमुना के पावन संगम की रेती पर अनवरत ज्ञान भक्ति का दीप जलाती मां सरस्वती का प्राकट्य त्रिवेणी को सार्थक स्वरूप देगा वहीं बिना किसी आमंत्रण के संसार के करोड़ो जनमानस, दर्शन,जप,तप,स्नान दान,ध्यान,योग द्वारा इस महामहोत्सव की आनंदानुभूति से जुड़ेंगे। स्थानीय लोगों को भी चाहिए कि इस गौरवशाली परंपरा के सहभागी बनकर तीर्थ यात्रियों के स्वागत सत्कार से जीवन धन्य करें। यह बातें आकाशवाणी दूरदर्शन से जुड़े वरिष्ठ हास्य कवि अशोक सिंह बेशरम ने कटका स्थित के.एन. अवस्थी कान्वेंट स्कूल में एक शैक्षिक संगोष्ठी के दौरान कही। उन्होंने कहा कि प्रयाग की पंचक्रोशी परिक्रमा की परिधि में हमारे कई पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों का रामायण,वेद पुराणों में भी उल्लेख मिलता है।मुनि भरद्वाज, दुर्वासा आश्रम की पवित्रता के साथ–साथ द्वादश माधव एवं कई महत्वपूर्ण पवित्र तीर्थ विराजमान होने से तीर्थराज के रूप में इसकी महिमा विश्व विदित है।हम प्रयाग वासियों को यह सौभाग्य मिला है कि इस परिधि में रहकर हम संसार से आने वाले पर्यटक और तीर्थ यात्रियों का सत्कार करें। उन्होंने अपनी चर्चित कविता –किला बांध से पवन पुत्र साक्षी हो जिसे सहेज रहे,हम महाकुंभ का नेह निमंत्रण संगम तट से भेज रहे।का काव्य पाठ कर प्रयागराज की महिमा का वर्णन करते हुए स्थानीय जन मानस को भी महाकुंभ का साक्षी बनने हेतु प्रेरित किया। प्रबंधक इंद्र कुमार अवस्थी राजू ने कहा कि पावन महाकुंभ जैसे विराट मेले में जहां विश्व के कई देशों से लोग आकर संगम स्नान व पर्यटन का आनन्द लेते हैं वहीं स्थानीय लोगों में इसके प्रति कम अभिरुचि देखी जाती है। हम सबको चाहिए कि 12 वर्षों के उपरांत आने वाले महाकुंभ की महिमा का गुणगान करते हुए स्नान,दान और कुंभ मेले में आयोजित साहित्यिक, सांस्कृतिक,आध्यात्मिक कार्यक्रमों से जुड़कर इसका लाभ उठाएं। शिक्षकों ने भी इसके प्रति प्रयागराज की महिमा और महाकुम्भ का महत्व सुनाते हुए अभिभावकों और बच्चों को प्रेरित किया।इस मौके पर कई स्थानीय बुद्धिजीवी एवं बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

''सुशासन सप्ताह–प्रशासन गांव की ओर'' कार्यक्रम के तहत विकास खण्डों में शिविर का किया गया आयोजन,

शिविर में जन शिकायतों के निस्तारण के साथ ही जन सामान्य को शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी।

प्रतापगढ़। शासन के निर्देश पर प्रत्येक वर्ष 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जाता है इस उपलक्ष्य मेंभारत सरकार द्वारा "सुशासन सप्ताह–प्रशासन गांव की ओर" कार्यक्रम 19 से 24 दिसंबर 2024 तक चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत लोक शिकायतों के निराकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया जाना, भारत सरकार की केंद्रीय लोक शिकायत निवारण प्रणाली में लंबित लोक शिकायतों का निराकरण किया जाना, स्टेट पोर्टल आईजीआरएस मेंप्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी की सेवाओं मेंवृद्धि करना, सर्विस डिलीवरी आवेदनों का निस्तारण करना, सुशासन के क्षेत्र मेंकिए गए नवाचारोंको फोटोग्राफ के साथ पोर्टल पर अपलोड किया जाना तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध ा कराना आदि कार्यक्रम आयोजित कराएं जा रहे हैं। इसी क्रम मेंआज जिलाधिकारी संजीव रंजन के निर्देशन व मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा के मार्गदर्शन में जनपद के समस्त विकास खण्डों में विशेष शिविर का आयोजन किया गया, शिविर मेंजन सामान्य की शिकायतों का निस्तारण कराया गया तथा उन्हें शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में पात्र लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित भी कराया गया। शिविर मेंसमस्त खण्ड विकास अधिकारी व अन्य अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेल्हा की ज्योति दुबई में प्रकाशित

प्रतापगढ़ । अंतरराष्ट्रीय कवयित्री ज्योति त्रिपाठी ने अपनी कविता की खुशबू दुबई में फैलाकर बेल्हा का गौरव बढ़ाया है स ज्योति अपनी भाषा एवं संस्कृति को दुनिया के कोने–कोने तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं स बीते साल उन्होंने सऊदी अरब में अपनी धमाकेदार

प्रस्तुति दी थी स बचपन से ही कविताएं लिखने वाली ज्योति युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं स कविता जगत के साथ–साथ उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में भी कई ध ाारावाहिकों में काम किया है स संघर्ष की मिशाल ज्योति पर बेल्हावासी गदगद हैं स जनपद के मूर्धन्य साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश डॉ शाहिदा समाजसेवी रोशन लाल उमरवैश्य आनंद मोहन ओझा अनिल प्रताप त्रिपाठी साहित्यकार अनिल कुमार निलय कुंज बिहारी लाल काकाश्री श्रीनाथ श्सरसस्र राधेश्याम दीवाना सहित तमाम मनीषियों ने ज्योति की उपलब्धि पर बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी हैं ।

हरिमोहन मालवीय को समन्वय रंगमंडल के कलाकारो ने श्रद्धांजलि अर्पित किया'

प्रयागराज । दिनांक 24/12/2024 मंगलवार को वरिष्ठ साहित्यकार स्वर्गीय हरिमोहन मालवीय जी को समन्वय रंगमंडल कार्यालय गुलटेरिया भवन सुलेम सराय प्रयागराज में श्रद्धांजलि अर्पित किया। शोकसभा में श्रीमती कल्पना सहाय, डॉ. मधु शुक्ला, डॉ. शारदा पाठक, रंगकर्मी मीना उरांव शिव गुप्ता, अविचल

द्विवेदी, सुशील राय, कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, विजय कुमार, जगदीश गौड़, अर्णव राय, विक्रांत कुमार केशरवानी, श्रेया सिंह, अभिषेक भारद्वाज, हर्सल राज इत्यादि वरिष्ठ रंगकर्मी–कवि– कलाकारों ने शोक सभा में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, संस्था की सचिव सुषमा शर्मा ने श्री हरि मोहन मालवीय के व्यक्तित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला।

वीर बाल दिवस कल लाखों छात्र लेंगे नशा मुक्त का संकल्प

लखनऊ, संवाददाता। सिक्खों के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी के पूरे परिवार ने दिसंबर माह में देश और धर्म के लिए शहादत दी थी। आपके छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह,बाबा फतेह सिंह को इस्लाम धर्म कबूल ना करने पर उन्हें मुगल शासक सरहिंद के नवाब वजीर खान ने दीवार पर जिंदा चुनवा दिया था,उनके त्याग,बलिदान और देश प्रेम के अनूठे बलिदान स्वरूप की गई शहादत को प्रत्येक बच्चे को अवगत कराने के लिए वीर बाल दिवस 26 दिसंबर को मनाया जाता है। उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया व बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में लाल ब्रिगेड एक्शन ग्रुप सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रग फ्री उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने हेतु 26 दिसंबर को भव्य रूप में मनाये जा रहे वीर बाल दिवस के अवसर पर नशा मुक्त संकल्प कुंभ हेतु लखनऊ में आयोजित तैयारी सभा में योग गुरू ज्योति बाबा ने कही। ज्योति बाबा ने जोर देकर कहा कि भारत की गौरवमयी संस्कृति व परंपरा का निर्वहन करने वाले प्रेरक, उत्कृष्ट किरदारों को हमारी किताबों से एक बड़ी साजिश के तहत गायब कर दिया गया।

साहित्यांजलि प्रज्योदि
(प्रकृति-संरक्षण एवं साहित्यिक मंच)
संस्थापना: विक्रम संवत २०६५ (2008 ई०)
कार्यालय: 113ए, लूकरगंज, प्रयागराज-211001
मो: 8726195041

प्रकृति-संरक्षण एवं साहित्यिक मंच "साहित्यांजलि प्रज्योदि" एवं वैचारिकी के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 25 दिसम्बर 2024,दिन बुधवार अपराह्न 01.00 बजे ' महामना पं० मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमन्त्री पं० अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर गीत-ग़ज़ल संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत सारस्वत सभागार लूकरगंज में क़व्वाली की तर्ज ग़ज़ल गायकी के नायाब हीरा विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तव "हर्जी" पर चर्चा एवं साहित्यकारों का सम्मान एवं कवि-सम्मेलन का आयोजन होगा। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष डॉ०प्रदीप चित्रांशी ने दी।

समय: अपरान्ह 01.00 बजे
दिनांक: 25 दिसम्बर 2024
स्थान : 113ए, लूकरगंज
(अग्रसेन इण्टरकालेज के बगल में, वैदिकग्रीनसोसाइटी के सामने की गली में)
प्रयागराज

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
अध्यक्ष
साहित्यांजलि प्रज्योदि

सम्पादकीय.....

पारदर्शी हो लोकतंत्र

हाल ही में केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा,वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कतिपय इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार का कहना है कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर यह कदम उठाया गया। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 93 में यह संशोधन किया गया। दलील दी गई कि इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का दुरुपयोग रोकने के लिये यह कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव संबंधी रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने के लिये वकील महमूद प्राचा ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका डाली थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, प्राचा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव संचालन से संबधित वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा फुटेज और फॉर्म 17–सी की प्रतियों की मांग याचिका के जरिये की थी। हालांकि, चुनाव एजेंट की नियुक्ति, नामांकन फार्म, परिणाम व चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है। मगर दूसरी ओर आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते। सरकार के द्वारा हालिया संशोधन इस बात की पुष्टि करता है कि केवल नियमों में उल्लेखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिये उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर पारदर्शिता की अवहेलना का आरोप लगाया है। साथ ही सरकार के फैसले को चुनौती देने की बात कही है। दरअसल, चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि मतदान केंद्रों के अंदर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के दुरुपयोग से मतदान की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। दलील दी गई है कि इस फुटेज का इस्तेमाल एआई का उपयोग करके फर्जी विमर्श गढ़ने के लिये किया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि लोकतांत्रिक शुचिता के लिये पारदर्शिता को क्यों नजरअंदाज किया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीवंतता इसी बात में है कि नागरिकों के सूचना अधिकार का अतिक्रमण किसी भी तरह से न हो सके। निस्संदेह, इस चिंता से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये तथ्यों से खिलवाड़ संभव है। बहुत संभव है अपनी सुविधा के लिये कतिपय राजनीतिक दल नये विमर्श गढ़ सकें। लेकिन इसके बावजूद आम नागरिकों को उस चुनावी प्रक्रिया को जानने का हक है जिसके जरिये सरकार बनती है। निस्संदेह, किसी भी लोकतंत्र की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया पर निर्भर करती है। कतिपय सुरक्षा चिंताओं के नाम पर पारदर्शिता का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर विपक्ष की मांगों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सजग–सतर्क विपक्ष लोकतंत्र की सफलता के लिये अनिवार्य शर्त भी है। ऐसे में एआई के खतरे के नाम पर हर सूचना के अधिकार पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता। वहीं ऐसे निर्णयों में विपक्ष की भागीदारी जरूरी है ताकि सत्तारूढ़ दल पर निरंकुश व्यवहार का आरोप न लग सके।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश या संविधान के नाम पर सिर्फ हंगामा

संजीव ठाकुर

आज राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन,सिद्धांत–विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव के समय सांसदों की अफरा–तफरी और विधायकों की खरीद–फरोख्त मैं मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता,इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। मणिपुर की शर्मनाक हिंसात्मक घटना के बाद सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धारासाही हो गए दूसरी तरफ राजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही कई कारण मिल जाएंगे।अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है । इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं। तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे–धीरे फैलआने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन–चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग–अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में वाष्पित हो जाता है।

भारत में एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक संविधान के लिए नुकसानदेह

पी. सुधीर

दो विधेयक पेश किये गये – संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक – जो लोकसभा और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित करने का प्रावधान करते हैं।

भारत के संविधान के लागू होने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर लोकसभा में हुई बहस में संविधान की रक्षा के बारे में भाजपा नेताओं द्वारा वाक्पटुता दिखाने के दो दिन बाद, मोदी सरकार ने एक संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है, जो संविधान और उसके भीतर संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। दो विधेयक पेश किये गये – संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक – जो लोकसभा और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित करने का प्रावधान करते हैं। संविधान संशोधन विधेयक तीन खंडों में संशोधन करता है और संविधान में एक नया खंड शामिल करता है। इन संशोधनों केतहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए पांच साल के कार्यकाल के मूल सिद्धांत को खत्म कर दिया गया है। सबसे पहले, लोकसभा चुनाव और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ लाने के लिए, भारत के राष्ट्रपति द्वारा घोषित नियत तिथि के बाद लोकसभा के पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति पर, सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति पर समाप्त हो जायेगा। इसका मतलब यह है कि एक साथ चुनाव का रास्ता बनाने के लिए कुछ विधानसभाओं के पांच साल के कार्यकाल में कटौती की जायेगी। यह राज्य विधानसभा के पूरे पांच साल के कार्यकाल के अधिकार पर पहला हमला है। इसके अलावा, भविष्य में लोकसभा या राज्य विधानसभाओं के लिए पांच साल के कार्यकाल की गारंटी नहीं है। संशोधनों में से एक में कहा गया है कि यदि लोकसभा अपने पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पहले भंग हो जाती है, तो अगली लोकसभा के लिए केवल शेष अवधि के लिए चुनाव होंगे। इसका मतलब यह है कि यदि लोकसभा अपने कार्यकाल के तीन साल बाद भंग हो जाती है, तो अगला चुनाव केवल दो साल तक काम करने वाली लोकसभा के लिए होगा। राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के संबंध में एक समान संशोधन प्रस्तावित है। यदि किसी राज्य की विधानसभा को बीच में ही भंग कर दिया जाता है, तो चुनाव केवल शेष अवधि के लिए होंगे। उदाहरण के लिए, यदि किसी राज्य की विधानसभा को तीन साल बाद भंग कर दिया जाता है, तो चुनाव केवल शेष अवधि के लिए होंगे, जो केवल दो साल होगी। इसलिए, मध्यावधि चुनाव में चुने गए संसद सदस्य या विधायक का कार्यकाल पांच साल का नहीं होगा। यह संविधान में निर्धारित संसदीय लोकतंत्र की मूल योजना के विरुद्ध है। राज्य विधानसभा के कार्यकाल में इस तरह की कटौती से संघवाद और निर्वाचित राज्य विधायकों के अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। संघीय ढांचा, जो राज्यों के संघ में अभिव्यक्त होता है, और अधिक कमजोर हो जायेगा क्योंकि विधानसभा के लिए पांच साल के कार्यकाल का मूल अधिकार नष्ट हो जायेगा। यह केंद्र सरकार और केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा हेरफेर का रास्ता भी खोलता है। उदाहरण के लिए, यदि राज्य सरकार के पतन के कारण राज्य विधानसभा अपने कार्यकाल के चार साल बाद भंग हो जाती है, तो विधानसभा के शेष एक साल के कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव का कोई मतलब नहीं है। ऐसी स्थिति में या तो सरकार के पतन को रोकने के लिए खरीद–फरोख्त का रास्ता खुलेगा या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का निमंत्रण होगा।संघवाद का अर्थ है विविधता और अलग–अलग भाषाई–सामाजिक–सांस्कृतिक स्थितियों और राजनीतिक बहुलता को मान्यता देना। लोकसभा के साथ सभी राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ सीमित करना उन्हें एक केंद्रीकृत प्रणाली में एक समरूप राजनीतिक इकाई में बदलने का प्रयास है। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली के समर्थकों द्वारा आगे बढ़ाये गये प्रमुख तर्कों में से एक यह है कि यह अलग–अलग समय पर होने वाले चुनावों की बहुलता के कारण होने वाले फिजूलखर्ची को कम करेगा। हालांकि, संसद और विधानसभा चुनावों के बीच तालमेल बनाये रखने के लिए प्रस्तावित बदलावों से कम समय में अनावश्यक चुनावों का रास्ता खुल जाता है। प्रस्तावित संविधान संशोधनों के अनुसार, पांच साल के कार्यकाल वाली राज्य विधानसभा के लिए चुनाव हो सकते हैंय फिर अगर राज्य सरकार गिरती है, तोशेष कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव होंगेय जिसके बाद पांच साल के कार्यकाल के अंत में एक और चुनाव होगा। इसका मतलब है कि पांच साल के अंतराल में तीन चुनाव होंगे। अगर ऐसी स्थिति लोकसभा स्तर पर होती है, तो पांच साल के अंतराल में तीन राष्ट्रीय चुनाव होंगे। ऐसी बेतुकी स्थिति चुनावों पर होने वाले खर्च को कई गुना बढ़ा देगी। विधेयक में एक ऐसा खंड भी पेश किया गया है, जो चुनाव आयोग को किसी भी राज्य में चुनाव में देरी करने का फैसला करने का अधिकार देता है, अगर उसे लगता है कि स्थिति इसकी मांग करती है। चुनाव आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति कार्रवाई करेंगे। यह एक खतरनाक प्रावधान है जिसका इस्तेमाल संघीय ढांचे में किसी राज्य के मूल अधिकार को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। भाजपा शासकों की अति–राष्ट्रवादी हिंदुत्व विचारधारा ने एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली को प्रेरित किया है। यह एक ऐसी विचारधारा है जो एक सत्तावादी–केंद्रीकृत राज्य की लालसा रखती है। यह संघवाद, विविधता और बहुलवाद के प्रति गहरी शत्रुतापूर्ण है। मोदी सरकार ने इन विधेयकों को एक अति–केंद्रीकृत राज्य के लिए प्रयास के हिस्से के रूप में लाया है।

बचपन बचाने को बेलगाम सोशल मीडिया पर लगाम

हाल में ऑस्ट्रेलिया में कानून लागू किया कि बच्चे–किशोर सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। एक्स, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे मंचों तक उनकी पहुंच प्रतिबंधित है ताकि वे इनके नकारात्मक प्रभाव से बच सकें। शोधों के मुताबिक, एल्गोरिद्म के जरिये ये बड़ों के कंटेंट को भी कंट्रोल करती है। समस्या इन्फ्लूएंसर भी हैं। इन कंपनियों की जवाबदेही व आजादी की सीमा स्तर तय करने पर यूरोप, अमेरिका और भारत समेत कई देशों में विचार–विमर्श जारी है। हालांकि आज के डिजिटल युग में इन प्लेटफॉर्मों की उपयोगिता के चलते पाबंदियों को लेकर कुछ सवाल भी उठे हैं।सोशल मीडिया का बेलगाम विस्तार आज पूरी दुनिया के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है। दुनियाभर में इस बात पर मंथन जारी है कि आखिर इससे कैसा रिश्ता बनाएं और इसकी चुनौतियों से कैसे निपटें। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया में लागू हुए कानून में व्यवस्था की गई है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। वहां की संसद में 28 नवंबर को यह कानून पारित हो गया। इसके तहत एक्स (पूर्व में ट्विटर), टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे मंचों तक बच्चों की पहुंच को प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही, इस पाबंदी को लागू करने की जिम्मेदारी सोशल मीडिया कंपनियों पर डाली गई है कि वे ऐसे प्रावधान करें जिनसे सोलह साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया के मंचों पर अपने अकाउंट नहीं बना सकें। कानून का पालन नहीं करने वाली सोशल मीडिया कंपनियों पर भारी जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। दावा है कि दुनिया में ऑस्ट्रेलिया पहला ऐसा देश है, जहां बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगी है। उद्देश्य बच्चों को सोशल मीडिया के नुकसान से बचाना है जोकि आज एक वैश्विक समस्या है। ऐसी पाबंदियों का समर्थन करते हुए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा है कि बच्चे अनिवार्य रूप से अपना बचपन जिएं और उनके माता–पिता को मन की शांति मिले। उल्लेखनीय है , मौजूदा यूजर और माता–पिता चाहें या ना चाहें, कानून के तहत बनने वाला ढांचा (फ्रेमवर्क) सभी पर अनिवार्यतः लागू होगा। नियमों के पालन की जिम्मेदारी सोशल मीडिया और टेक कंपनियों की होगी और कायदे नहीं मानने पर करोड़ों का जुर्माना उन पर लगेगा। जहां तक छूट की बात है तो उन मैसेजिंग सेवाओं और गेमिंग साइट्स पर पाबंदी नहीं होगी, जो बच्चों के लिए उपयोगी कंटेंट बनाती हैं और जिन्हें यूट्यूब के बिना इस्तेमाल यानी एक्सेस किया जा सकता है। ऊपरी तौर पर लगता है कि यह ऑस्ट्रेलियाई पहल मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। सोशल मीडिया ने कुछ उपयोगी देने के मुकाबले नई पीढ़ी का जितना नुकसान किया है, उसे देखते हुए दुनिया भर में उस पर प्रतिबंध लगा देने चाहिए। पर यहां कई बड़े सवाल है, जिन पर ऐसी पाबंदियां लगाने से पहले विचार करना जरूरी है। जैसे, सरकारें और नियामक संस्थाएं यह कैसे तय करेंगी कि तेजी से बदलते आज के माहौल में इंटरनेट का कौन–सा मंच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है और कौन–सा नहीं। साथ ही, कोरोना वाले दौर को याद करने से लगता है कि अगर सोशल मीडिया को बैन कर दिया, तो पढ़ाई, कामकाज, ईकॉमर्स वेबसाइटों के जरिए खरीदारी से लेकर मनोरंजन तक की जो सहूलियतें घर बैठे दुनिया को मिल रही हैं, उनका क्या होगा। स्कूल–कॉलेजों में अध्यापक गृहकार्य और परीक्षा संबंधित परियोजनाओं की सूचना छात्रों को सोशल मीडिया के जरिए देते हैं। शायद इसी वजह से टेक कंपनियों के हितों को देखने वाले एक ऑस्ट्रेलियाई समूह ने पाबंदियों को '21वीं सदी की चुनौतियों के बरक्स 20वीं सदी की प्रतिक्रिया' ठहराया है। यह आशंका भी जताई जा रही कि चुनींदा सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध की स्थिति में बच्चे 'इंटरनेट के खतरनाक और अनियमित हिस्सों' की ओर धकेले जा सकते हैं, जो और भी बड़ी चुनौती है। पाबंदियों के विरोध का सबसे तार्किक पक्ष यह कि इंटरनेट आज ऐसा समुद्र बन गया है जिसमें उसके उपयोगी पहलुओं को तय करना और सबसे खराब पक्ष को प्रतिबंधित करना मुश्किल हो गया है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि बच्चों को तैराकी सीखने के लिए पानी में उतरना होगा। इसलिए समुद्र के पानी को बाड़ लगाकर नहीं रोकते, बल्कि स्वीमिंग पूल, तैराकी संबंधी सुरक्षा उपकरणों की मदद से बच्चों को कुशल तैराकी का हुनर सिखाते हैं। उल्लेखनीय है, बीते मई 2024 में ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों पर लगाम लगाने के मकसद से ऐलान किया था कि वहां सोशल मीडियों प्लेटफॉर्म्स के प्रभाव की जांच की जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने खास तौर से चिंता प्रकट की थी कि कि आज सोशल मीडिया की पहुंच और असर बहुत ज्यादा है। सोशल मीडिया कंपनियां यह फैसला करने की भूमिका में आ गई हैं कि लोग क्या देखें, क्या सोचें या क्या खरीदें। मामला सिर्फ ऑस्ट्रेलिया का नहीं है, बल्कि इसे भारत के संदर्भ में और अमेरिका–चीन आदि देशों में प्रतिबंधों के सुझावों के आधार पर देखे जाने की जरूरत है। खासतौर से इसलिए क्योंकि इस वर्ष लोकसभा चुनाव से पहले मार्च में भारत की केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों के लिए नई सरकार का जो रोडमैप पेश किया था, उसमें भी सोशल मीडिया मंचों के सतर्क इस्तेमाल और डीपफेक के मामलों में सावधानी बरतने को कहा गया था। ऐसे दौर में, जब टेक कंपनियां हर वक्त बच्चों को अपने साथ बांधे रखना चाहती हैं, यह सवाल महत्वपूर्ण है कि बच्चों को इन तकनीकी कठिनाइयों से निपटने में सक्षम बनाने की कोशिश करनी चाहिए या उन्हें इनसे अलग–थलग कर देना चाहिए।इसमें तो संदेह नहीं कि फेसबुक, ट्विटर, वॉट्सऐप, स्नैपचौट और इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया मंचों ने हर व्यक्ति को अपनी बात खुलकर कहने का अवसर दिया है। इस लिहाज से सोशल मीडिया ने नागरिकों को एक व्यक्ति के तौर पर अधिक सशक्त बनाया है। यह इसी रूप में सीमित रहता तो संकट न आता। समस्या तब पैदा हुई जब सोशल मीडिया कंपनियों ने यह फैसला अपने हाथ में ले लिया कि लोग ऑनलाइन क्या देखें और क्या नहीं। ऑस्ट्रेलिया में इन कंपनियों से जो तनातनी बढ़ी, उसका एक संदर्भ इस साल चर्चा में आए हिंसक वीडियो से जुड़ता है। इस वीडियो को माइक्रो ब्लॉगिंग साइट– एक्स से हटाने को लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार और एक्स के बीच तीखी नोकझोंक हुई । पादरियों पर किशोर द्वारा चाकू से हमले की घटना का हवाला देते हुए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा था कि घरेलू हिंसा से लेकर युवाओं में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने संबंधी कंटेंट के प्रसार में अक्सर सोशल मीडिया कंपनियों की भूमिका दिखाई देती है। हो सकता है डिजिटल मंचों के कुछ सकारात्मक प्रभाव भी हों, लेकिन इनकी ज्यादातर भूमिका नकारात्मक ही रहती है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार के आग्रह को ठुकराते हुए एक्स के मालिक एलन मस्क ने उस वीडियो को एक्स से हटाने से मना कर दिया था। बाद में जब अदालत ने ऐसा करने का आदेश दिया, तो भी उसे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के सर्वर से हटाया गया, शेष दुनिया के लिए वह वीडियो उपलब्ध रहा। बढ़ी तनातनी के बीच जब ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री में मस्क को 'अहंकारी अरबपति' कहा था तो मस्क ने कहा कि किसी देश को पूरी दुनिया के इंटरनेट पर नियंत्रण का अधिकार कैसे दिया जा सकता है।निश्चय ही, ज्यादा महत्वपूर्ण मसला सोशल मीडिया कंपनियों के व्यवहार और जवाबदेही से जुड़ी चिंताओं का है। इसे लेकर यूरोप, अमेरिका और भारत समेत कई एशियाई देशों में विचार विमर्श चल रहा है कि सोशल मीडिया कंपनियों को आखिर कितनी आजादी दी जाए। साथ ही, अगर ये कंपनियां मनमानी करती हैं, तो इन पर कैसे और क्या प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे में कुछ माह पहले अमेरिका में टिकटॉक को चेतावनी जारी की गई थी, जिसे भारत में पहले ही बैन किया जा चुका है। उधर यूरोप में फेसबुक और गूगल पर कई मामलों में जुर्माने लगाए गए। इन कंपनियों पर ये कार्रवाइयां सामाजिक जवाबदेही के संबंध में की गई हैं, न कि आर्थिक या वित्तीय नियमों के उल्लंघन में। इसका अर्थ यह है कि जिस तरह से ये कंपनियां आम लोगों के व्यवहार को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही हैं, उस यूरोप और अमेरिका तक में इसे एक गलत परंपरा माना जा रहा है जहां अभिव्यक्ति की सर्वाधिक आजादी हासिल होने का दावा किया जाता है। अमेरिका में इन मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों के प्रमुखों को सरकार के सामने पेश होने और तीखे सवालों का जवाब देने को बाध्य किया गया है। इस पूरे प्रसंग में सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) स्थित न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी में सोशल मीडिया कंपनियों की सामाजिक जवाबदेही से संबंधित शोध का उल्लेख करना प्रासंगिक होगा। इस शोध में डॉ. कॉनर क्लून ने सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही पर एक अध्ययन किया। शोध के निष्कर्ष में डॉ. कॉनर ने लिखा कि इन कंपनियों के एल्गोरिद्म इस मामले में बेहतर हो रहे हैं कि कैसे उनके मंचों पर मौजूद लोगों के कंटेंट को नियंत्रित किया जाए। इसका इस्तेमाल ये कंपनियां कंटेंट को अपनी नीतियों के पक्ष और फायदे में नियंत्रित करने में कर सकती हैं। यानी ये कंपनियां किसी खास उत्पाद, नीति, विचारधारा का

क्रिसमसः एकता, प्रेम और सेवा का त्योहार

फादर इसिडोर डिसोज़ा
प्रशासक, नाजरेथ अस्पताल

क्रिसमस, जो ईसा मसीह के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है। यह प्यार, शांति और एकता का प्रतीक है, जिसे सभी धर्मों के लोग जाति, धर्म और संस्कृति की सीमाओं को भूलकर एक–दूसरे के साथ खुशी और सौहार्द बाँटते हैं। ईसाई समुदाय के लिए यह ईश्वर के अवतार का पर्व है, लेकिन हिंदू, मुस्लिम, सिख और अन्य धर्मों के लोग भी इसे मानवता और बंधुत्व के त्योहार के रूप में अपनाते हैं। जिस प्रकार हिन्दुओं के पर्व दिवाली के अवसर पर दीप जलाकर अन्य धर्मावलंबी भी अपना उत्साह दिखाते हैं उसी प्रकार मसीही त्योहार क्रिसमस के अवसर पर क्रिसमस ट्री व स्टार लगाकर अपनी खुषी का इज़हार करते हैं। क्रिसमस का अर्थ केवल यीशु मसीह का जन्मदिन मनाना नहीं है, बल्कि यह हमें दया, सेवा और एकता का संदेश देता है। यह पर्व याद दिलाता है कि प्यार और परोपकार ही इंसानियत की असली पहचान है। महात्मा गांधी ने भी कहा था, 'मानवता की सच्ची सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है।' क्रिसमस हमें इसी सेवा भावना को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। भारत जैसे विविध संस्कृति वाले देश में, क्रिसमस केवल ईसाई धर्म तक सीमित नहीं है। हिंदू, मुस्लिम, सिख और अन्य धर्मों के लोग भी इस पर्व को समान उत्साह से मनाते हैं। चर्चों में मोमबत्तियाँ जलाना, केक काटना, गरीबों को भोजन कराना और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना इस पर्व को सार्वभौमिक बनाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार कहा था, 'त्योहार हमारी विविधता में एकता का प्रतीक हैं।' यह क्रिसमस पर भी बिल्कुल सही बैठता है। यह पर्व हमें बताता है कि सभी धर्म प्रेम और मानवता का संदेश देते हैं। हाल के वर्षों में क्रिसमस का मूल उद्देश्य कहीं खोता जा रहा है। महंगे उपहार, ब्रांडेड सजावट और शॉपिंग मॉल की चमक–दमक ने इसे व्यावसायिक बना दिया है। लोग अब प्यार और सेवा की बजाय भौतिक चीजों को अधिक महत्व देने लगे हैं। मदर टेरेसा ने कहा था, 'हम दुनिया में बड़े काम नहीं कर सकते, लेकिन छोटे काम बड़े प्यार से कर सकते हैं।' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि क्रिसमस केवल दिखावे का पर्व नहीं, बल्कि सादगी और सेवा का त्योहार है। भारत में सांप्रदायिक तनाव और नफरत के बीच क्रिसमस जैसे त्योहार भी प्रभावित हो रहे हैं। चर्चों पर हमले, कैरोल गाने वालों को धमकियाँ और नफरत भरे बयान इस त्योहार की पवित्रता को चोट पहुँचाते हैं। राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने अपने एक भाषण में कहा था, 'त्योहार हमें जोड़ने का काम करते हैं, तोड़ने का नहीं।' यह समय है कि हम इस संदेश को आत्मसात करें और सांप्रदायिकता को खारिज करें। क्रिसमस को सही अर्थों में मनाने का मतलब है जरूरतमंदों की मदद करना, अनाथ बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उन लोगों को साथ लेकर चलना जो हाशिए पर हैं। ईसा मसीह का जीवन हमें सिखाता है कि सादगी, सेवा और प्रेम ही सच्चे मूल्य हैं। एक उदाहरण के रूप में, पिछले साल केरल के एक चर्च ने क्रिसमस पर महंगे कार्यक्रमों की जगह गरीबों के लिए मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किया। यह सच्चे क्रिसमस उत्सव का उदाहरण है। इस क्रिसमस के अवसर पर, आइए हम यह प्रण लें कि इसे सादगी और सेवा के साथ मनाएँगे। हम जरूरतमंदों की मदद करेंगे, सांप्रदायिकता को नकारेंगे और प्रेम, शांति और मानवता का संदेश फैलाएँगे। ईसा मसीह ने कहा था, 'जो सबसे छोटों के लिए करते हो, वह मेरे लिए करते हो।' आइए, इस संदेश को अपने जीवन में उतारें और क्रिसमस को मानवता का त्योहार बनाएँ। सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएँ। आइए इसे सच्चे अर्थों में मनाएँ और इसे शांति, प्रेम और सेवा का पर्व बनाएँ।

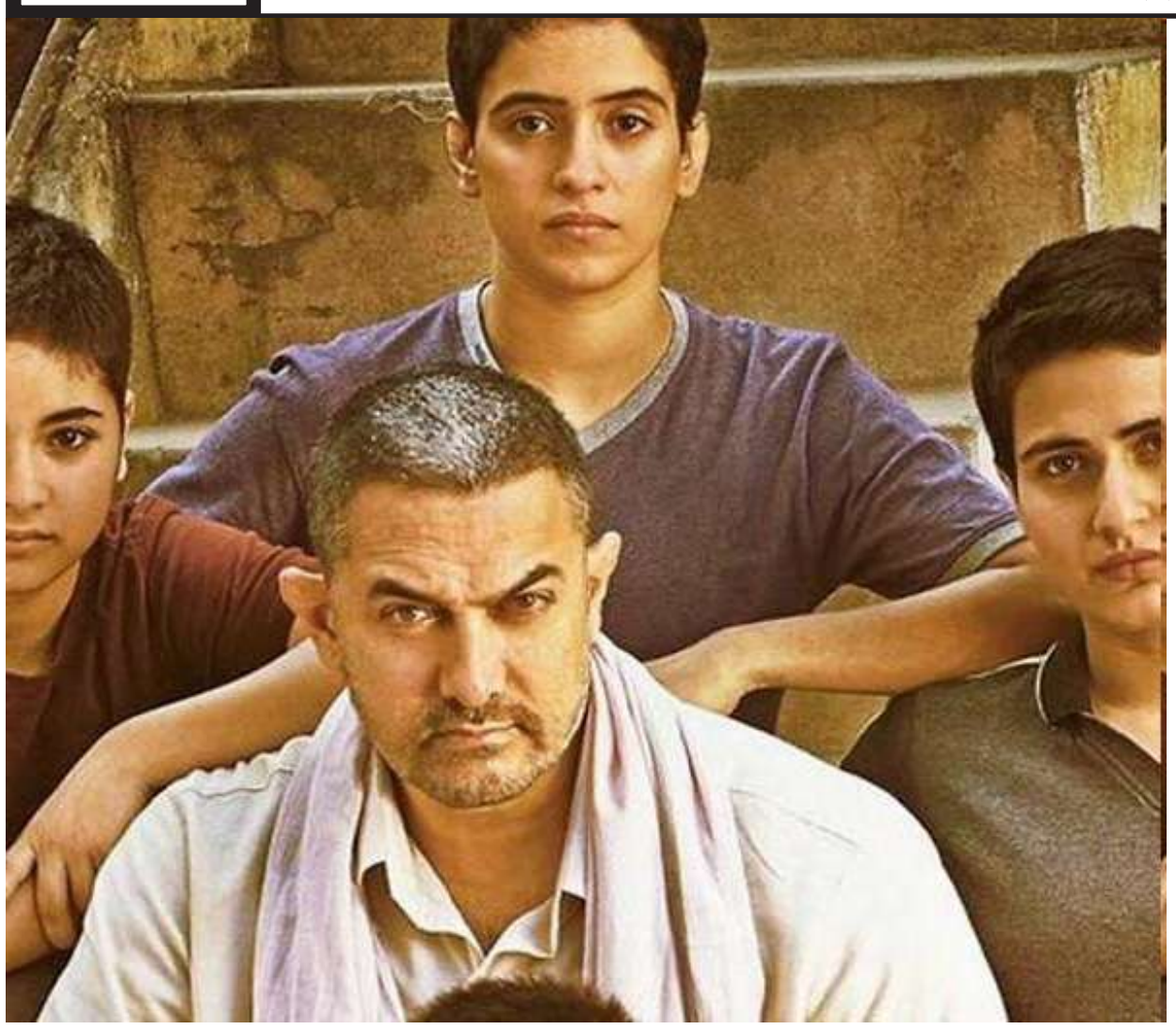

आमिर खान और नितेश तिवारी की स्पोर्ट्स ड्रामा को बार-बार देखने को मजबूर करती हैं यह 5 बातें!

2016 वो साल था जब आमिर खान ने भारत की पहली वर्ल्ड क्लास महिला रेसलर्स, गीता फोगट और बबीता कुमारी, और उनके पिता महावीर सिंह फोगट, जो एक भारतीय अमेच्योर रेसलर थे, की कहानी को पर्दे पर लाया। इस फिल्म का डायरेक्शन नितेश तिवारी ने किया था, और इसमें फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा, जायरा वसीम, सुहानी भटनागर, अपारशक्ति खुराना, ऋत्विक साहोरे और साक्षी तंवर भी थे। नितेश तिवारी ने अपने बेहतरीन डायरेक्शन की कला से कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश किया। चाहे वो एक्टर से बेहतरीन परफॉर्मेंस निकालना हो या स्क्रिप्ट के साथ पूरी ईमानदारी से न्याय करना हो, उन्होंने सभी काम को खूबसूरती से किया। यह फिल्म एक प्रेरणादायक कहानी थी, और इस तरह से यह ग्लोबल ब्लॉकबस्टर बन गई, जिसे दुनियाभर से शानदार रिव्यू मिलें। फिल्म की रिलीज को आज 8 साल हो चुके हैं, तो आइए इसके खास पहलुओं पर फिर से एक नजर डालते हैं। आमिर खान ने महावीर सिंह फोगट के रूप में, जो एक शौकिया रेसलर थे, इस किरदार को बखूबी निभाया और अपनी परफॉर्मेंस के साथ उसे पूरी तरह से जिंदा कर दिया। ष्मिस्टर परफेक्शनिस्ट के रूप में अपनी छवि को सही साबित करते हुए, उन्होंने किरदार की सबसे छोटी–छोटी बारीकियों को भी ध्यान से समझा और एक आइकॉनिक परफॉर्मेंस दी। दंगल ने भारत की पहली वर्ल्ड क्लास महिला रेसलर्स, गीता फोगट और बबीता कुमारी की प्रेरणादायक कहानी दिखाई। फिल्म ने महिलाओं की ताकत और दृढ़ निश्चय को उजागर किया, जो दुनिया में सफलता हासिल कर सकती हैं, और वह अपनी जबरदस्त कहानी से बहुतों को प्रेरित करती हैं। इस फिल्म को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, छत्तीसगढ़, दिल्ली और मध्य प्रदेश जैसे छह भारतीय राज्यों में टैक्स फ्री घोषित किया गया था, ताकि ष्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओष् अभियान को बढ़ावा मिल सके। यह अभियान सरकार का है, जिसका मकसद लड़कियों के सेलेक्टिव अबॉर्शन को कम करना, उनकी सुरक्षा करना और उन्हें शिक्षा देना है। जब दंगल भारत में बेहद पसंद की गई, तब इसने इंटरनेशनल लेवल पर भी सभी का दिल जीता। यह 21 दिसंबर 2016 को अमेरिका में और 23 दिसंबर 2016 को दुनिया भर में रिलीज हुई। फिल्म का दूसरा रिलीज फेज ईस्ट एशिया के चाइनीज मार्केट को टार्गेट करते हुए 24 मार्च 2017 को ताइवान से शुरू हुआ। दंगल को 7वें बीजिंग इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया गया, और यह पहली भारतीय फिल्म बनी जो नॉन–कंपिटींग पैनोरमा सेक्शन में शामिल हुई। चीन में इसे शुऐजियाओ बाबा (लेट्स रेसल, फादर!) नाम से रिलीज किया गया, और फेस्टिवल में इसे स्टैंडिंग ओवेशन मिला। दंगल का साउंडट्रैक शानदार है, जिसमें ऐसे गाने हैं जो अलग–अलग भावनाओं को जगाते हैं, जैसे प्रेरणा, हंसी, ऊर्जा और यादें। इस एल्बम में हानिकारक बापू, धाकड़, गिलहरियां, दंगल, नैना और इडियट बन्ना जैसे चार्टबस्टर गाने शामिल हैं। फिल्म की चीन और जापान में जबरदस्त सफलता के कारण, इसके साउंडट्रैक एलबम को जैपनीज में भी रिलीज किया गया था, जिसे रामब्लिंग रिकॉर्ड्स ने 13 अप्रैल 2018 को पब्लिश किया था। दंगल से कई टैलेंटेड एक्टर्स ने डेब्यू किया, जिनमें सान्या मल्होत्रा, जायरा वसीम, सुहानी भटनागर और अपारशक्ति खुराना का नाम शामिल है। सान्या मल्होत्रा घ्ने बबीता कुमारी की भूमिका निभाई, जायरा वसीम ने युवा गीता फोगट की भूमिका निभाई, सुहानी भटनागर ने युवा बबीता कुमारी की भूमिका निभाई, और अपारशक्ति खुराना ने महावीर के भतीजे ओंकार सिंह फोगट की भूमिका निभाई। दंगल में उनके शानदार परफॉर्मेंस ने उनके करियर को एक मजबूत शुरुआत दी।

> “ नतेश तिवारी ने अपने बेहतरीन डायरेक्शन की कला से कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश किया। चाहे वो एक्टर से बेहतरीन परफॉर्मेंस निकालना हो या स्क्रिप्ट के साथ पूरी ईमानदारी से न्याय करना हो, उन्होंने सभी काम को खूबसूरती से किया। यह फिल्म एक प्रेरणादायक कहानी थी, और इस तरह से यह ग्लोबल ब्लॉकबस्टर बन गई, जिसे दुनियाभर से शानदार रिव्यू मिलें।

पठान जैसी सुपरहिट फिल्म देने के बाद शाहरुख खान फिर करने जा रहे हैं सिद्धार्थ आनंद के साथ काम?

शाहरुख खान को बड़े पर्दे पर देखे हुए एक साल हो गया है। सुपरस्टार की आखिरी थिएट्रिकल रिलीज़ राजकुमार हिरानी की डंकी थी। साल 2023 में सुपरस्टार ने धमाकेदार वापसी की और उनकी दो अन्य फ़िल्में पठान और जवान ने बॉक्स ऑफ़िस पर धमाल मचा दिया। तब से, प्रशंसक यह जानने का इंतज़ार कर रहे हैं कि वह अपनी अगली फ़िल्म पर कब काम करना शुरू करेंगे। अभिनेता ने पुष्टि की थी कि वह अगली फ़िल्म किंग करेंगे। अब हमारे पास इस पर एक बड़ा अपडेट है।

शाहरुख खान, सिद्धार्थ आनंद फिर साथ आएंगे?

पठान के साथ बॉक्स ऑफ़िस पर एक साथ ब्लॉकबस्टर देने के बाद, शाहरुख खान और सिद्धार्थ आनंद फिर से हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि यह पठान 2 के लिए है, तो ऐसा नहीं है। हमारे सभी मनोरंजन समाचार पाठकों को, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि शाहरुख और सिद्धार्थ अब फ़िल्म किंग के लिए साथ काम करेंगे। पहले, बदला के निर्देशक सुजॉय घोष इस फ़िल्म का निर्देशन करने वाले थे। हालाँकि, अब ऐसा नहीं हो रहा है। एक सूत्र ने पिंकविला को बताया कि एक्शन एंटरटेनर की तैयारी पिछले 6 महीनों से चल रही है। अब तक सिद्धार्थ और उनकी टीम ने दुनिया भर में कई अलग–अलग जगहों पर रेकी की है क्योंकि वे सुपरस्टार के साथ एक बेहतरीन एक्शन फिल्म बनाना चाहते हैं। फिल्म अगले साल फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। तो क्या सुजॉय घोष पूरी तरह से फिल्म से बाहर हो गए हैं? जवाब है नहीं। घोष ने सिद्धार्थ आनंद, सुरेश नायर और सागर पांड्या के साथ कहानी लिखी है। अब्बास टायरवाला शाहरुख की अगली फिल्म के लिए संवाद लिखेंगे। एक सूत्र ने मुझे बताया, ''यह हिंदी फिल्म के लिए लिखी गई सबसे धमाकेदार एक्शन फिल्म है। शाहरुख और सिड दुनिया भर में किंग के एक्शन ब्लॉक शूट करने की योजना बना रहे हैं और उन्होंने पहले ही कई नए स्थानों पर इसके लिए रेकी कर ली है।'' शाहरुख खान और पठान के निर्देशक फिर से साथ काम करके काफी खुश हैं। किंग का शेड्यूल 6–7 महीने का बताया जा रहा है और निर्माताओं का लक्ष्य फिल्म को 2026 में रिलीज करना है। एक्शन सीन काफी शानदार होंगे और सुपरस्टार के प्रशंसकों के लिए एक ट्रीट होने की बात कही जा रही है। शाहरुख के साथ इस फिल्म में अभिषेक बच्चन और सुहाना खान भी हैं। खबर है कि शाहरुख के साथ एक ए–लिस्टर अभिनेत्री को कास्ट किया जाएगा और इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी।

घर का नाम रामायण और लक्ष्मी कोई और ले जाए सोनाक्षी सिन्हा की जहीर इकबाल संग शादी पर कुमार विश्वास ने कसा तंज

दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा की एक्ट्रेस बेटी सोनाक्षी सिन्हा इसी साल दुल्हनिया बनी थी। सोनाक्षी ने सालों डेटिंग के बाद लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ सिविल मैरिज की थी। सोनाक्षी और जहीर की शादी को लेकर खूब विवाद हुआ था। इंटर–रिलिजन मैरिज के लिए एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर खूब आलोचना भी सहनी पड़ी थी। वहीं अब जाने–माने कवि कुमार विश्वास ने भी इशारों–इशारों में एक्ट्रेस की इंटर–रिलिजन मैरिज पर तंज कसा। उन्होंने बिना नाम लिए कहा–अपने बच्चों को रामायण सिखाएं। अन्यथा ऐसा हो सकता हैकि आपके घर का नाम रामायण हो, लेकिन कोई और आपके घर की लक्ष्मी छीन ले। प्रोग्राम के दौरान कुमार विश्वास ने कहा–अपने बच्चों को सीता जी की बहनों और भगवान राम के भाइयों के नाम याद कराएं। एक संकेत दे रहा हूं. जो समझ जाएं उनकी तालियां उठें। अपने बच्चों को रामायण पढ़वाएं और गीता सुनवाएं। अन्यथा ऐसा ना हो कि आपके घर का नाम तो रामायण हो और आपके घर की श्री लक्ष्मी को कोई और उठाकर ले जाए। गौरतलब है कि शत्रुघ्न सिन्हा के घर का नाम रामायण है। उनकी बेटी सोनाक्षी सिन्हा ने इसी साल बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी की है। नेटिजन्स ने कहा कि कुमार विश्वास ने सिन्हा परिवार के अंतरधार्मिक विवाह (इंटर–रिलिजन मैरिज) पर इशारों में तंज कसा है। ये पहली बार नहीं है, जब सोनाक्षी सिन्हा को रामायण से अपने संबंध को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। साल 2019 में केबीसी सीरियल में सोनाक्षी ने रामायण से जुड़े सवाल का गलत जवाब दिया था जिस पर हाल ही में मुकेश खन्ना ने भी उनकी आलोचना की थी।

सनी देओल की बॉर्डर 2 की शूटिंग शुरू, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी होंगे शामिल

सनी देओल की श्बॉर्डर 2श की शूटिंग मंगलवार से शुरू हो गई है। गदर फेम एक्टर सनी देओल एक बार फिर भारतीय सेना के सिपाही बनकर वापसी करने के लिए तैयार हैं। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर उस समय बड़ी हिट साबित हुई थी। अब दर्शक इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आखिरकार 29 साल बाद यह इंतजार पूरा होने जा रहा है। गौरतलब है कि फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, इसकी फीमेल लीड को लेकर कोई अपडेट नहीं है।

फिल्म में ये सितारे आएंगे नजर

फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। इस फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में होंगे। इसके अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे नए एक्टर भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। आज शूटिंग के दौरान फिल्म की टीम ने सेट से एक तस्वीर शेयर की, जिसमें क्लैपबोर्ड पकड़े एक व्यक्ति का हाथ दिखाई दे रहा है।

एक्शन 'बॉर्डर 2' का एक बड़ा हिस्सा है

'द बॉर्न आइडेंटिटी' जैसी फिल्मों में एक्शन सीन कोरियोग्राफ कर चुके मशहूर हॉलीवुड एक्शन कोरियोग्राफर निक पॉवेल बॉर्डर 2 के युद्ध एक्शन सीन डिजाइन करेंगे। उन्होंने 'द ममी' (1999) और भारतीय फिल्म 'आरआरआर' (2022) में भी काम किया है। सनी देओल ने भी बताया था कि 'बॉर्डर 2' में एक्शन का तड़का लगने वाला है।

मेरे पंगे सरकार से होते कलाकर से नहीं...काम नहीं आई दिलजीत दोसांझ की सफाई, सिंगर एपी ढिल्लों ने दिखा दिए सबूत

मनोरंजन जगत में इस समय दो सिंगर्स के बीच की तकरार खूब सुर्खियां बटोर रही है। ये दो सिंगर हैं दिलजीत दोसांझ और एपी ढिल्लों।सिंगर रैपर– एपी ढिल्लों ने चंडीगढ़ कॉन्सर्ट के दौरान सिंगर दिलजीत दोसांझ से उन्हें इंस्टाग्राम पर अनब्लॉक करने की गुजारिश की थी जिसके जवाब में दिलजीत ने कहा कि उन्होंने उन्हें ब्लॉक किया ही नहीं है। आपको क्या लगा कि ये तकरार यहीं खत्म हो गई, ना जी ना, एपी ढिल्लों ने दिलजीत के कहने के बाद सबूत भी दिखा दिया। एपी ढिल्लों ने दिलजीत के कहने के बाद सबूत भी दिखा दिया कि मैं तो ब्लॉक था जी, अब अनब्लॉक किया गया हूं। सिंगर्स के इन झगड़ों ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है। एपी पर यूजर्स दिलजीत की इमेज खराब करने का आरोप भी लगा रहे हैं। बताते हैं आपको पूरा माजरा क्या है? बात शुरू हुई जब दिलजीत दोसांझ का इंदौर में एक कंसर्ट हुआ था। इस दौरान उन्होंने सिंगर करण औजला और एपी ढिल्लों को उनके कंसर्ट के लिए विश किया था।उन्होंने कहा था–मेरे और दो भाइयों ने टूर शुरू किया है करण औजला और एपी ढिल्लों ने, उनके लिए भी शुभकामनाएं. आजाद म्यूजिक का समय शुरू है, मुसीबत तो आएगी। जब कोई क्रांति आती है तो मुसीबत आती है। हम अपना काम करते जाएंगे। एपी ढिल्लों ने अपने चंडीगढ़ कंसर्ट में रिएक्ट किया था। उन्होंने कहा था–मैं बस एक छोटी सी बात कहना चाहता हूं, भाई। पहले मुझे इंस्टाग्राम पर अनब्लॉक करें और फिर मुझसे बात करें। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता कि मार्केटिंग क्या हो रही है लेकिन पहले मुझे अनब्लॉक करें। मैं तीन साल से काम कर रहा हूं. क्या आपने कभी मुझे किसी कंट्रोवर्सी में देखा है? दिलजीत दोसांझ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एपी ढिल्लों की प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है कि दिलजीत ने एपी ढिल्लों को ब्लॉक नहीं किया है। इसके साथ कैप्शन में दिलजीत ने लिखा–मैंने तुम्हें कभी ब्लॉक नहीं किया। मेरे पंगे सरकारों से हो सकते हैं, कलाकारों से नहीं। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। अब एपी ढिल्लों ने फिर से दिलजीत के स्टेटमेंट का जवाब दिया और साथ ही सबूत भी दिखा दिया कि वो ब्लॉक थे। एपी ने लगातार तीन स्टोरी शेयर की जहां पहले तो दिलजीत की आईडी शो नहीं हुई लेकिन बयानबाजी के बाद आईडी दिखने लगी।

क्रिसमस पर इस तरह से करें तैयारी, पार्टी होगी एकदम शानदार!

बच्चों से लेकर बड़ों के लिए क्रिसमस का त्योहार बेहद खास होता है। क्रिसमस का त्योहार वैसे तो ईसाई घर्म का फेस्टिवल है। लेकिन इसे भारत में काफी उत्साह के साथ मनाया जाता है। हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस का त्योहार मनाया जाता है। वैसे 25 दिसंबर को साल सबसे बड़ा दिन माना जाता है। दुनियाभर में क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन चर्च को काफी खूबसूरत तरीके से सजाया जाता है। अगर आप इस बार अपने घर पर ही क्रिसमस पार्टी सेलिब्रेट करना चाहते हैं, तो इस तरह से करें तैयारी, नहीं होगा सिरदर्द। सारा काम होगा आसान।

फन के लिए निकालें समय

क्रिसमस त्योहार तो फन के लिए जाना जाता है। इस पर्व की तैयारी में ज्यादा व्यस्त न हो, फन करना भी काफी जरुरी है। आप चाहे तो क्रिसमस की फिल्में देखें, केक बेक करें और मजेदार गेम्स खेलें। यह सबस करने से आपके बच्चे का क्रिसमस स्प्पेशल बन जाएगा और आपको भी भागदौड़ कम करनी पड़ेगी।

सांता क्लॉज चाहिए

क्रिसमस पार्टी के लिए सांता क्लॉज आना काफी अच्छा लगता है। इससे बच्चों की खुशियां डबल हो जाती है। बच्चों के लिए आप क्रिसमस पार्टी को शानदार बनाने केलिए आप अपने घर पर सांता क्लॉज को भी पार्टी में बुला सकते हैं या फिर कहीं बाहर भी घूमने जा सकते हैं।

बजट भी जरुरी है

बात जब क्रिसमस पार्टी की आती है, तो बजट के अनुकूल होना भी जरुरी है। क्रिसमस के लिए गिफ्ट लेना, खाना बनाना और घर को सजाने वाली चीजें खरीदनी जरुरी है। ऐसा करने से बजट ज्यादा भी हो सकता है। इसलिए आप अपने बच्चों से घर पर ही गिफ्ट्स बनाने के लिए कह सकते हैं।

काम बाट दें

इस दिन काम बहुत ज्यादा होता है। पार्टी के लिए खाने का इंतजाम करना, गिफ्ट्स पैक करना, घर को सजाना आदि। एक इंसान के लिए यह सब करना काफी मुश्किल होता है। इसलिए आप सारे काम परिवार के सदस्यों के बीच में बांट दें। आप चाहे तो क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए बच्चों को यह काम दे सकते हैं।

पहले से करें तैयारी

आखिरी मिनट पर कोई तनाव नहीं लेना है। इसलिए आप पहले से तैयारी कर लें। लिस्ट बनाएं, गिफ्ट खरीदें और चीजों को पहले से ही शेड्यूल कर के चलें। पहले ही से सब प्लानिंग कर लेंगे तो क्रिसमस वाले दिन भगदड़ नहीं रहेगी और आप स्ट्रेस फ्री रह सकेंगे।

क्रिसमस सजावट के लिए शानदार क्ल्प हैक

अगर आप भी क्रिसमस पर अपने छोटे से घर को अच्छे सजाना चाहती है, तो आपके काफी काम आएंगे ये क्ल्प हैक। आप क्रिसमस ट्री को जरुर सजाएं इसके साथ ही क्रिसमस पर घर को सजाने के लिए छोटे–छोटे आइडिया भी काम आ सकते है। आइए आपको क्रिसमस पर रुम या छोटा–सा घर सजाने के DIY हैक बताने जा रहे हैं।

घर पर रेड कैंडल बनाएं

आप घर में रेड कैंडल को बना सकते है। यह काफी आसान है। वैक्स को मेल्ट करें और साथ ही रेड क्रेयॉन डाल दें। फिर आप छोटे कांच के गिलास में इन रेड मेल्ट वैक्स को डालें और रेड कैंडल को तैयार कर लें। इन कैंडल्स को आप कमरे की टेबल पर सजा सकते है।

टेबल को दें क्रिसमस की थीम

घर में चाहे डाइनिंग टेबल या साइड टेबल पर क्रिसमस से जुड़ी सजावट करना चाहते हैं, तो यह क्ल्प हैक आपके लिए है। मार्केट में मिलने वाली रेड एंड ग्रीन कलर की बॉल्स खरीदकर ले आएं। फिर आप इसे क्रॉकरी वाली प्लेट या फिर कांच की ट्रांसपैरेंट प्लेट लेकर ग्लू से इन बॉल्स को चिपकाएं। बीच में रेड कलर की कैंडल को रखें।

क्रिसमस वाइब वाली हैगिंग बनाएं

आप क्रिसमस वाइब्स वाली ये वॉल हैगिंग बना सकते है। इसे बनाने के लिए आप सफेद रंग की कागज वाली डिस्पोजेबल गिलास लें। इन सारी गिलास को एक–एक कर साइड बाई साइड बाई साइड एक दूसरे जोड़ते हुए सर्किल रिंग बना लें। फिर आप रेड कलर का बो रिबन या कागज की मदद से बनाकर चिपका सकते है। इसमें टांगने के लिए छेद कर लें और आपकी क्रिसमस वॉल हैगिंग तैयार है।

स्नो मैन बनाएं

आप टेबल पर रखने के लिए स्नो मैन बना सकते है। आप कागज डिस्पोजल वाली दो गिलासों को एक के ऊपर एक रखकर चिपका दें। इसके बाद आप रेड चार्ट पेपर की मदद से हैट बनाकर ऊपर रखें और चिपका दें। आप ब्लैक कलर की बिंदी लगाकर आंखे बना दीजिए और रेड पेपर से पतली सी कोन बनाकर नोज तैयार कर सकते है।

अपने क्रिसमस ट्री को प्रो की तरह सजाने के फॉलो करें ये टिप्स

क्रिसमस ट्री को सजाना मुश्किल हो सकता है और इसमें समय लगता है। सबसे पहले, आपको यह तय करना होगा कि आपको कौन सी सजावट चाहिए। फिर, आपको बाज़ार जाकर उन्हें खरीदना होगा। उसके बाद, पेड़ पर हर चीज़ को सही जगह पर रखना मेहनत का काम है। हां, क्रिसमस ट्री को सजाना थोड़ा तनावपूर्ण लग सकता है, लेकिन चिंता न करें हम आपकी मदद करने के लिए यहां हैं!

आज, हम आपको दिखाएंगे कि आपको किस तरह की सजावट की जरूरत है और उन्हें कैसे रखना है ताकि आपका पेड़ सुंदर और उत्सवपूर्ण दिखे।

चलिए शुरू करते हैं और इसे मजेदार और आसान बनाते हैं!

बो सेलेक्टा का इस्तेमाल करें– क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए रंग–बिरंगे बो का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे आसान कुछ हो ही नहीं सकता। एक रिबन लें और उससे बो बनाएं और फिर उन्हें क्रिसमस ट्री पर लगा दें। आप चाहें तो रिबन के टुकड़ों को पेड़ की टहनी पर भी बांध सकते हैं।

लाइट्स का इस्तेमाल करें– क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए लाइट्स का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप दिवाली की लाइट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। लाइट्स लें और उन्हें पेड़ की शाखाओं पर गोलाकार तरीके से लगाएं। आप चाहें तो लाइट्स को पेड़ के तने पर भी लगा सकते हैं। जब आप लाइट्स ऑन करेंगे तो क्रिसमस ट्री के साथ–साथ आपका घर भी जगमगा उठेगा।

चॉकलेट और कैंडीज का इस्तेमाल करें– क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए चॉकलेट और कैंडी का इस्तेमाल करना एक बेहतरीन आइडिया है। बच्चों के साथ–साथ बड़े भी इस आइडिया से खुश होंगे। इसके लिए आप अपनी और अपने बच्चों की पसंदीदा चॉकलेट और कैंडी पैक करके क्रिसमस ट्री पर टांग दें।

सर्दियों में चमकती त्वचा चाहिए ? इन 7 फलों के छिलकों से पाएं नेचुरल चमक!

सर्दियों का मौसम हमारी त्वचा के लिए कई बार कठोर हो सकता है क्योंकि नमी की कमी के कारण त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है।लेकिन, अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा सर्दी में भी निखरी और चमकदार दिखे, तो आपको अपनी स्किन केयर रूटीन में कुछ खास बदलाव करने की जरूरत है। क्या आप जानते हैं कि फलों के छिलके आपकी त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं? फलों के छिलकों में विटामिन, मिनरल्स, और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा की सेहत को सुधारने में मदद करते हैं। आइए जानें, सर्दियों में चमकती त्वचा पाने के लिए किन फलों के छिलकों को अपनी स्किन केयर रूटीन में शामिल करना चाहिए।

संतरे का छिलका

संतरे का छिलका विटामिन सी का बेहतरीन स्त्रोत है, जो त्वचा की चमक को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा, संतरे के छिलके में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को डैमेज होने से बचाते हैं और कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देते हैं।आप संतरे के छिलके को सुखाकर पाउडर बना लें और उसमें थोड़ी सी शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट बाद धो लें। इससे त्वचा की नमी बनी रहती है और त्वचा की चमक में सुधार होता है।

केला का छिलका

केला का छिलका त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा के जलन और सूजन को कम करते हैं। साथ ही, यह डेड सेल्स को निकालने में भी मदद करता है। आप केले के छिलके को त्वचा पर रगड़ें और 5–10 मिनट तक छोड़ दें। फिर इसे धो लें। इस उपाय से त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है।

आम का छिलका

आम का छिलका विटामिन ए और सी से भरपूर होता है, जो त्वचा की रंगत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह त्वचा के दाग–धब्बे भी कम करने में मदद करता है।आम के छिलके को त्वचा पर रगड़ें या उसे पीसकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट बाद इसे धो लें। इससे त्वचा की चमक बढ़ेगी और त्वचा में निखार आएगा।

नींबू का छिलका

नींबू के छिलके में सिट्रस एसिड होता है, जो त्वचा को साफ और चमकदार बनाता है। यह त्वचा से अतिरिक्त तेल को भी हटाता है और पोर्स को भी साफ करता है। नींबू के छिलके को सुखाकर उसका पाउडर बनाएं और उसमें गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 10–15 मिनट बाद धो लें। इससे त्वचा में ताजगी और चमक आ जाएगी।

सेब का छिलका

सेब का छिलका एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होता है, जो त्वचा को अंदर से पोषण देने का काम करते हैं। यह त्वचा को निखारने के साथ–साथ एंटी एजिंग का भी काम करता है। आप सेब के छिलके को काटकर चेहरे पर हल्के से रगड़ें। इसे 5–10 मिनट तक रखें और फिर धो लें। यह त्वचा को तरोताजा और जवान बनाए रखेगा।

कीवी के छिलके

कीवी के छिलके में फल से ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। इसमें बहुत ज्यादा फाइबर, फ्लेवोनोइड्स, एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी होता है। कीवी के छिलके को त्वचा पर रगड़ने से चेहरे पर ताजगी आती है और यह त्वचा को नेचुरल चमक देता है। इसके अलावा, यह त्वचा के दाग–धब्बों को कम करने और त्वचा को मुलायम बनाने में भी मदद करता है।

अनार के छिलके

अनार के छिलके त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी और पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो त्वचा को मुलायम, निखरी और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। अनार के छिलके का पाउडर त्वचा पर लगाने से यह दाग–धब्बों को कम करता है और त्वचा की चमक को बढ़ाता है। आप अनार के छिलके का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगा सकते हैं, जिससे त्वचा में ताजगी और निखार आता है। सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए फलों के छिलकों का उपयोग एक नेचुरल और असरदार उपाय है। इसे अपनी स्किन केयर रूटीन में शामिल करें और अपनी त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाएं।

सर्दियों की धूप में संतरे के छिलकों का करें इस्तेमाल, त्वचा में लाएं निखार!

सर्दियों के दिनों में धूप में बैठकर संतरा खाना किसे पसंद नहीं होता? लेकिन अक्सर संतरा खाने के बाद हम उसके छिलकों को फेंक देते हैं। क्या आप जानते हैं कि इन छिलकों में छुपा है आपकी त्वचा को चमकदार और खूबसूरत बनाने का राज? संतरे के छिलकों में मौजूद विटामिन सी आपकी त्वचा को प्राकृतिक नमी, चमक, और कई समस्याओं से निजात दिलाने में मदद करता है। आइए जानते हैं, संतरे के छिलकों से फेस पैक बनाने और लगाने का तरीका।

संतरे के छिलकों के फायदे

संतरे और उसके छिलकों में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। यह त्वचा के दाग–धब्बे हल्के करने, पिगमेंटेशन कम करने, और त्वचा को नेचुरल ग्लो देने में बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा, संतरे के छिलकों में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो झुर्रियों को कम करने और एक्ने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। संतरे के छिलकों से बने फेस पैक का नियमित इस्तेमाल त्वचा को स्वस्थ और खिली–खिली बनाए रखता है।

संतरे के छिलकों से फेस पैक बनाने के लिए जरूरी सामग्री

संतराः 1

चावल का आटाः 1 चम्मच

शहदः 1 चम्मच

कच्चा दूधः जरूरत के अनुसार

(वैकल्पिक) विटामिन ई ऑयलः कुछ बूंदें

फेस पैक बनाने का तरीका

सबसे पहले एक संतरे को छील लें और उसके छिलकों को साफ पानी से धो लें। इन छिलकों को आधी कटोरी कच्चे दूध के साथ मिक्सर में डालें और बारीक पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को एक कटोरी में निकाल लें।

पैक में अन्य सामग्री मिलाएं

तैयार पेस्ट में 1 चम्मच चावल का आटा और 1 चम्मच शहद डालें। अगर चाहें तो इसमें विटामिन ई ऑयल की कुछ बूंदें मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं। इसे 10–15 मिनट तक सूखने दें।

चेहरा साफ करें

समय पूरा होने के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। त्वचा को हल्के हाथों से थपथपाकर सुखाएं।

ऑरेंज पील फेस पैक के फायदे

दाग–धब्बे हटाए

संतरे में मौजूद विटामिन सी चेहरे के दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करता है। यह त्वचा की रंगत को निखारता है और उसे एक समान बनाता है। साथ ही, इसका नियमित उपयोग त्वचा की झाइयों को भी कम करता है।

झुर्रियों को कम करे

इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को जवां बनाए रखते हैं। यह त्वचा के सेल्स को डैमेज से बचाने में मदद करता है और उम्र बढ़ने के संकेतों, जैसे कि फाइन लाइन्स और झुर्रियों को कम करता है। यह त्वचा की इलास्टिसिटी को बनाए रखता है, जिससे त्वचा टाइट और स्मूद रहती है।

एक्ने से राहत

संतरे के छिलकों में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो एक्ने को खत्म करने में मदद करते हैं। यह त्वचा के पोर्स को साफ करता है और अतिरिक्त ऑयल को नियंत्रित करता है, जिससे एक्ने की समस्या दोबारा नहीं होती। यह त्वचा पर लालिमा और सूजन को भी कम करता है।

त्वचा की नमी बनाए

यह फेस पैक त्वचा को सर्दियों में भी नमी प्रदान करता है और त्वचा को मुलायम बनाए रखता है। यह ड्राईनेस को दूर करता है और त्वचा को हाईड्रेटेड रखता है। इसके नियमित उपयोग से त्वचा में नैचुरल मॉइस्चर बरकरार रहता है।

प्राकृतिक चमक

नियमित उपयोग से त्वचा पर नेचुरल ग्लो आता है। यह त्वचा को अंदर से पोषण देता है और उसे हेल्दी बनाता है। यह डल और बेजान त्वचा को रिवाइव करता है, जिससे त्वचा ताजगी और चमक से भर जाती है।

जरूरी सुझाव

संतरे के छिलकों को सुखाकर उसका पाउडर भी तैयार कर सकते हैं। इसे एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें और जब चाहें उपयोग करें। संतरे के छिलकों से बने इस फेस पैक को हफ्ते में 1–2 बार लगाएं। इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से पहले एक बार पैच टेस्ट कर लें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपको किसी सामग्री से एलर्जी नहीं है।

नोटः यह लेख सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी स्किन प्रॉडक्ट का उपयोग करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

सर्दियों की धूप में आराम करते हुए इस फेस पैक को आजमाएं और अपनी त्वचा को प्राकृतिक निखार दें।

संक्षिप्त

ट्राई की पहल, दूरसंचार कंपनियों को केवल बातचीत, एसएमएस के लिए जारी करना होगा 'रिचार्ज वाउचर'

नयी दिल्ली,एजेंसी। दूरसंचार नियामक ट्राई ने शुल्क नियमों में संशोधन कर मोबाइल पर केवल बातचीत और एसएमएस की सुविधा का उपयोग करने वाले लोगों को राहत दी। इसके तहत मोबाइल सेवा प्रदाताओं को इंटरनेट का उपयोग नहीं करने वाले ग्राहकों के लिए 'वॉयस कॉल' और एसएमएस के लिए एक अलग 'प्लान' जारी करने को अनिवार्य किया गया है। नियामक ने विशेष रिचार्ज कूपन पर 90 दिन की सीमा हटा दी और इसे बढ़ाकर 365 दिन कर दिया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (12वां संशोधन) नियमन में कहा, ''सेवा प्रदाता विशेष रूप से बातचीत और एसएमएस के लिए कम–से–कम एक विशेष शुल्क वाउचर की पेशकश करेगा। इसकी वैधता अवधि 365 दिन से अधिक नहीं होगी।'' इस कदम से उपभोक्ताओं को उन सेवाओं के लिए ही भुगतान करना होगा जिनका वे आमतौर पर उपयोग करते हैं। ट्राई के पास परामर्श प्रक्रिया के दौरान विभिन्न विचार सामने आए। इसमें यह बात भी आई कि कई वरिष्ठ नागरिक जिनके घरों में ब्रॉडबैंड हैं, उन्हें अपने मोबाइल फोन के लिए इंटरनेट के साथ वाले 'रिचार्ज प्लान' की आवश्यकता नहीं है। दूरसंचार नियामक के अनुसार, उसका विचार है कि बातचीत और एसएमएस के लिए अलग से विशेष शुल्क वाउचर होने चाहिए। ट्राई ने कहा, ''केवल बातचीत और एसएमएस के लिए विशेष वाउचर को अनिवार्य करने से उन ग्राहकों को एक विकल्प मिलेगा, जिन्हें डेटा (इंटरनेट) की आवश्यकता नहीं है। इससे किसी भी तरह से इंटरनेट समावेश की सरकारी पहल पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि सेवा प्रदाता बातचीत और एसएमएस के साथ डेटा और केवल इंटरनेट के लिए वाउचर की पेशकश करने के लिए स्वतंत्र हैं।'' नियामक ने दूरसंचार कंपनियों को किसी भी मूल्य के 'रिचार्ज वाउचर' जारी करने की भी अनुमति दी है। लेकिन उन्हें कम से कम 10 रुपये का 'रिचार्ज कूपन' भी जारी करना होगा। इससे पहले, नियम के तहत दूरसंचार कंपनियों को 10 रुपये मूल्य और इसके गुणक में टॉप–अप वाउचर जारी करने की अनुमति थी।

एडीबी भारत में टिकाऊ ढांचागत परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा

नयी दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हरित एवं टिकाऊ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,250 करोड़ रुपये) के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा कि एडीबी का यह ऋण सरकारी उद्यम इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) को गारंटी के साथ दिया

जाएगा। इस ऋण समझौते पर वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और एडीबी के निदेशक (भारत) मियो ओका ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर ओका ने कहा, ''एडीबी का यह वित्तपोषण आईआईएफसीएल को पहुंच एवं ऊर्जा बदलाव के साथ शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक पूंजी प्रदान करने में मदद करेगा।'' उन्होंने कहा कि एडीबी ने अपनी परिचालन और जोखिम प्रबंधन क्षमताओं को विकसित करने के लिए वर्षों से आईआईएफसीएल के साथ मिलकर काम किया है।

जनवरी में खाद्य कीमतें घटीं तो फरवरी में ब्याज दरों में कटौती संभव, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) जनवरी में खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट आने पर फरवरी में दरों में कटौती पर विचार कर सकती है। आईसीआईसीआई बैंक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि खाद्य कीमतों में गिरावट आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए नीतिगत दरों में ढील देने का रास्ता साफ कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, ष्जनवरी में खाद्य कीमतों में अपेक्षित गिरावट फरवरी में दरों में कटौती की संभावना को बढ़ा सकती हैष्। एमपीसी की नवीनतम बैठक के मिनटों में एक नरम रुख का पता चला, जिसमें दो सदस्यों ने दरों में कटौती की वकालत की। उनका तर्क विकास में नरमी और वर्तमान में खाद्य मुद्रास्फीति के मुख्य मुद्रास्फीति में सीमित असर डालने पर आधारित था। हालांकि, दरों को बनाए रखने के लिए मतदान करने वाले अन्य सदस्यों ने तर्क दिया कि दरों में कटौती के लिए समय उचित नहीं है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले महीनों में कम खाद्य मुद्रास्फीति इस तरह के कदम के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान कर सकती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5.48 प्रतिशत थी, जबकि अक्टूबर में यह 6.21 प्रतिशत थी, जो भारतीय रिजर्व बैंक के 2–6 प्रतिशत के आराम बैंड के अनुरूप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि मुद्रास्फीति में गिरावट आगे भी जारी रहती है तो फरवरी में आगामी एमपीसी में दर में कटौती की संभावना अधिक है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि समानांतर रूप से, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के हॉकिश रुख से प्रेरित यूएस डॉलर इंडेक्स (डीएक्सवाई) के मजबूत होने के कारण भारतीय रुपया (आईएनआर) मूल्यह्रास दबाव में रहा है।

'कौन कहां बल्लेबाजी करेगा...', बैटिंग पोजिशन को लेकर असमंजस की स्थिति पर बोले कप्तान रोहित

मेलबर्न, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार से मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत हो रही है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज फिलहाल तीन टेस्ट के बाद 1–1 से बराबर है। मेलबर्न टेस्ट से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत की। उन्होंने चौथे टेस्ट मैच से पहले अभ्यास के दौरान उनके घुटने में लगी चोट को लेकर व्यक्त की जा रही आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह पूरी तरह से फिट हैं। हालांकि, उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में अपने स्थान को लेकर संदेह बरकरार रखा।

राहुल ने बतौर ओपनर दावा मजबूत किया

रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर अभ्यास के दौरान रोहित के बाएं घुटने में चोट लग गई थी और इसको लेकर कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। रोहित ने अपडेट देते हुए कहा, श्मेरा घुटना ठीक है।श रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें अगले मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करनी थी, लेकिन केएल राहुल ने पर्थ में 77 रन की प्रभावशाली पारी खेल कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसकी वजह से भारतीय कप्तान को छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा।

बुमराह को लेकर रोहित का बयान

रोहित ने बुमराह को लेकर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ काफी समय बिता चुके हैं और काफी मैच खेल चुके हैं। ऐसे में वह जानते हैं कि बुमराह किस तरह सोचते हैं और किस तरह अपना दिमाग चलाते हैं ताकि मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकें। रोहित ने कहा कि इस तरह का खिलाड़ी होना टीम के लिए काफी अच्छा है। हालांकि, रोहित के लिए यह बदलाव अच्छा नहीं रहा और उन्होंने अभी तक ऑस्ट्रेलिया में इस सीरीज में अपनी तीन पारियों में केवल 19 रन बनाए हैं। दूसरी तरफ राहुल ने तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 84 रन बनाकर शीर्ष क्रम में अपना दावा मजबूत किया है।

भारतीय कप्तान ने कहा कि वह वही करेंगे जो टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ होगा। उन्होंने कहा, 'कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इसको लेकर चिंता न करें। हमें इस पर विचार करने की जरूरत है और यह ऐसी चीज नहीं है जिस पर मैं यहां चर्चा करूं। हम वही करेंगे जो टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ होगा।'

कोहली को लेकर कप्तान रोहित का बयान

विराट कोहली की खराब फॉर्म और ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों को खेलने में परेशानी के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा कि यह दिग्गज बल्लेबाज इससे पार पाने का तरीका ढूंढ लेगा। उन्होंने कहा, 'आप कोहली के ऑफ स्टंप की बात कर रहे हैं। आप वर्तमान समय के दिग्गज बल्लेबाज की बात कर रहे हैं। आधुनिक युग के महान बल्लेबाज अपना रास्ता खुद तैयार करते हैं।' कोहली ने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शतक बनाया था, लेकिन दूसरे टेस्ट में वह सात और 11 रन ही बना पाए, जबकि तीसरे टेस्ट मैच की एकमात्र पारी में तीन रन बनाकर आउट हो गए थे।

यशस्वी को लेकर कप्तान रोहित का बयान

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी पहले टेस्ट मैच में 161 रन की मैच विजेता पारी खेलने के बाद रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं, लेकिन रोहित ने कहा कि उन्हें अपना नैसर्गिक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम जायसवाल की मानसिकता को नहीं बदलना चाहते हैं। वह किसी अन्य की तुलना में अपनी बल्लेबाजी को अच्छी तरह से समझता है। हम उसे स्वच्छंद होकर खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।'

'कुलदीप के पास वीजा नहीं है और अक्षर...', रोहित ने अश्विन की जगह कोटियान को शामिल करने की वजह बताई

मेलबर्न, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार से बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत होगी। इस मैच से पहले बीसीसीआई ने ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान को संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। मंगलवार को कप्तान रोहित शर्मा ने कुलदीप यादव या फिर अक्षर पटेल को न चुनकर तनुष को शामिल करने के पीछे की वजह का खुलासा किया।

अश्विन के रिप्लेसमेंट बने तनुष अश्विन के सीरीज के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारत की मौजूदा स्क्वॉड में सिर्फ दो स्पिनर रह गए थे। ऐसे में विकल्प की तलाश थी। मेलबर्न और सिडनी में दो स्पिनरों की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए कोटियान को तुरंत ऑस्ट्रेलिया बुलाया गया। वह फिलहाल विजय हजारे ट्रॉफी में की तैयारी में व्यस्त हैं। उनके मंगलवार को टीम में शामिल होने की उम्मीद है।

रोहित ने अपने अंदाज में दिया जवाब तनुष को शामिल करने के एक दिन बाद रोहित ने मीडिया से बात करते हुए अपने अंदाज में मजाक में कहा कि कोटियान को केवल इसलिए चुना गया क्योंकि कुलदीप के पास वीजा नहीं था। हालांकि, उन्होंने मुंबई के इस आलराउंडर की जमकर तारीफ भी की। वह बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया में भारत की श्एश टीम का भी हिस्सा थे। इस दौरे पर उन्होंने 44 रन बनाने के अलावा एकमात्र मैच में एक विकेट भी हासिल किया था।

रोहित ने किया मजाक

रोहित ने कहा, श्तनुष एक महीने पहले यहां आए थे और कुलदीप के पास वीजा नहीं है। हमें ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो जल्द से जल्द यहां पहुंचे। तनुष तैयार थे और उन्होंने यहां अच्छा खेल दिखाया था। वह पिछले दो वर्षों से घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और हम सिडनी या मेलबर्न में दो स्पिनरों के साथ खेलने के मामले में बैक–अप चाहते थे।

कुलदीप चोटिल है, अक्षर पिता बने हैं

रोहित ने कुलदीप या अक्षर को अश्विन के रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल नहीं करने की वजह भी बताई। दरअसल, चाइनामैन स्पिनर की हाल ही में हर्निया की सर्जरी हुई थी, जबकि अक्षर हाल ही में पिता बने थे। रोहित कहा, श्कुलदीप शत प्रतिशत फिट नहीं है क्योंकि उन्हें हर्निया की सर्जरी करानी पड़ी है। अक्षर हाल ही में पिता बने हैं इसलिए वह यात्रा पर नहीं जा रहे हैं। इसलिए तनुष हमारे लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प थे। उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट में खुद को साबित भी किया है।

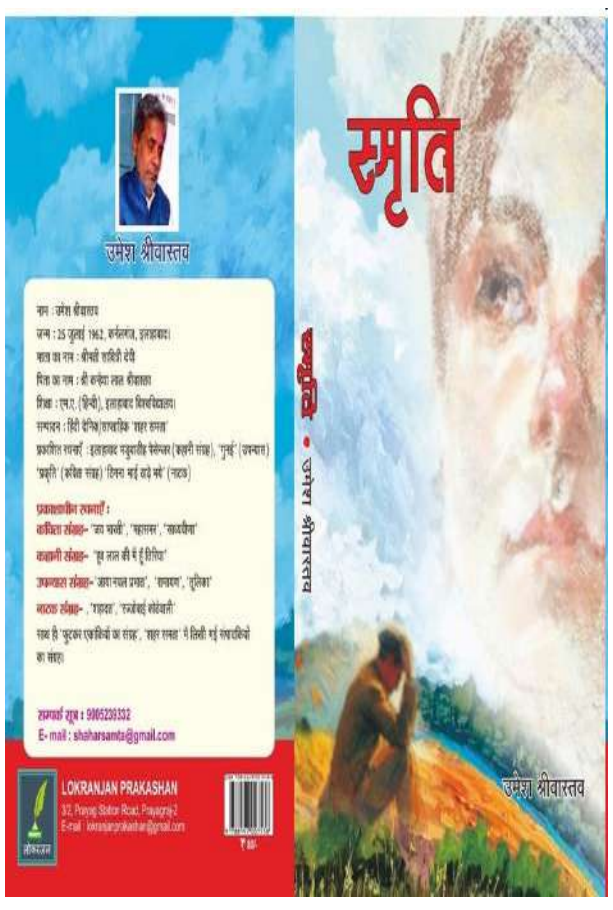

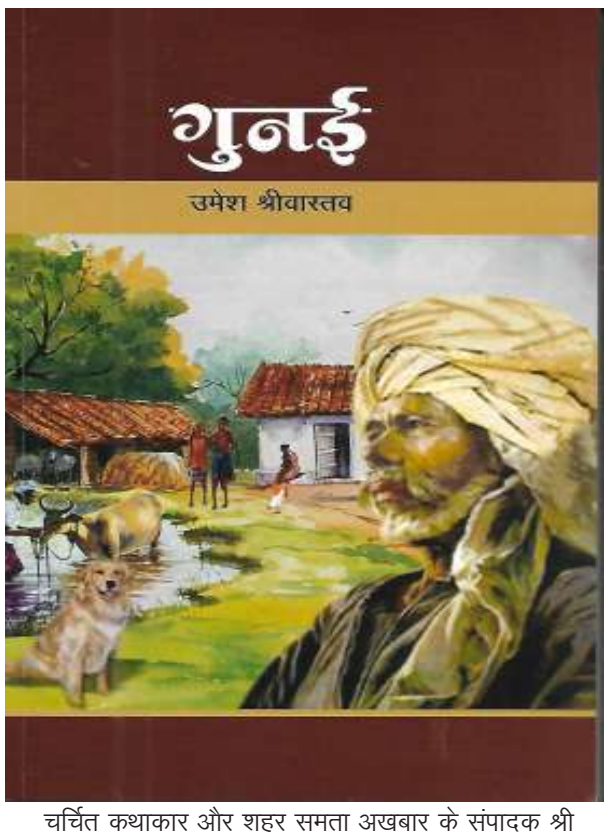

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

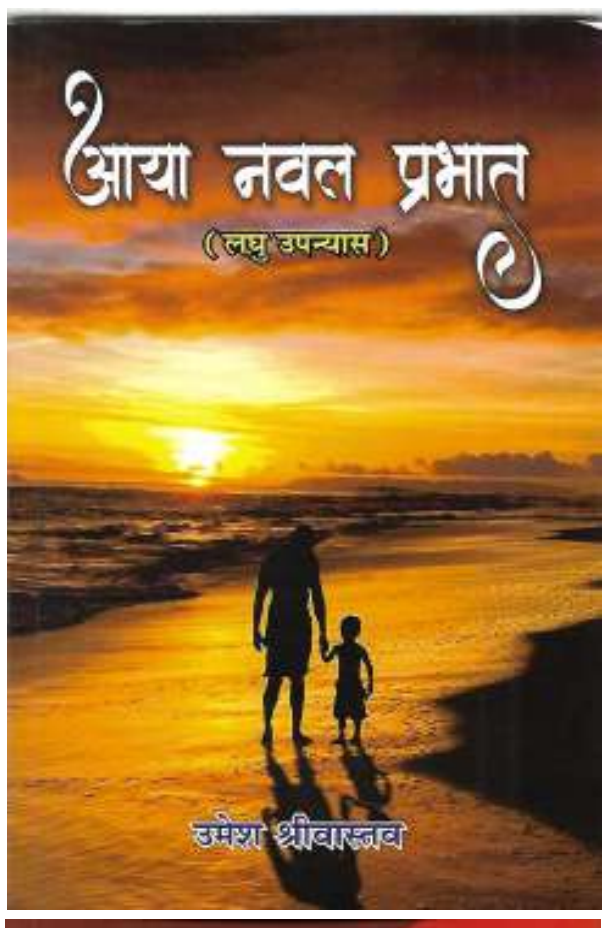

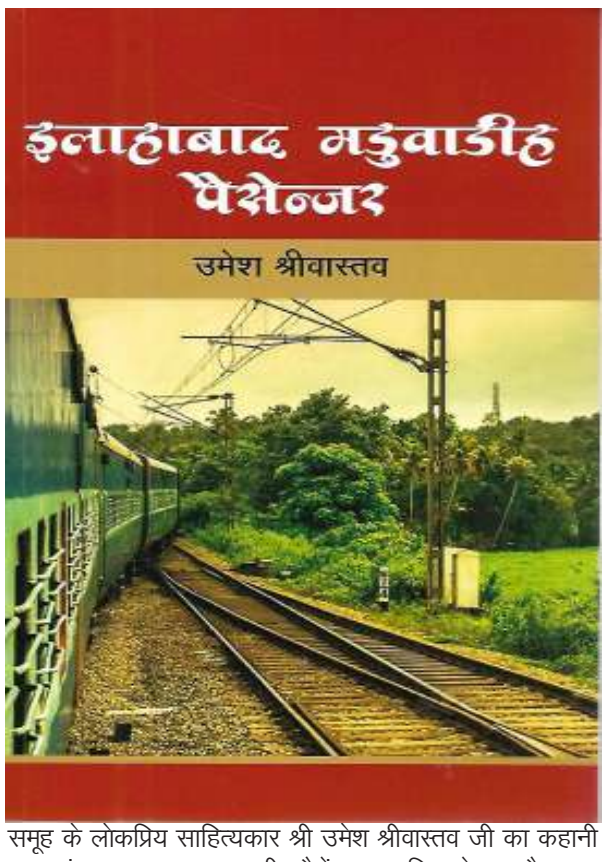

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

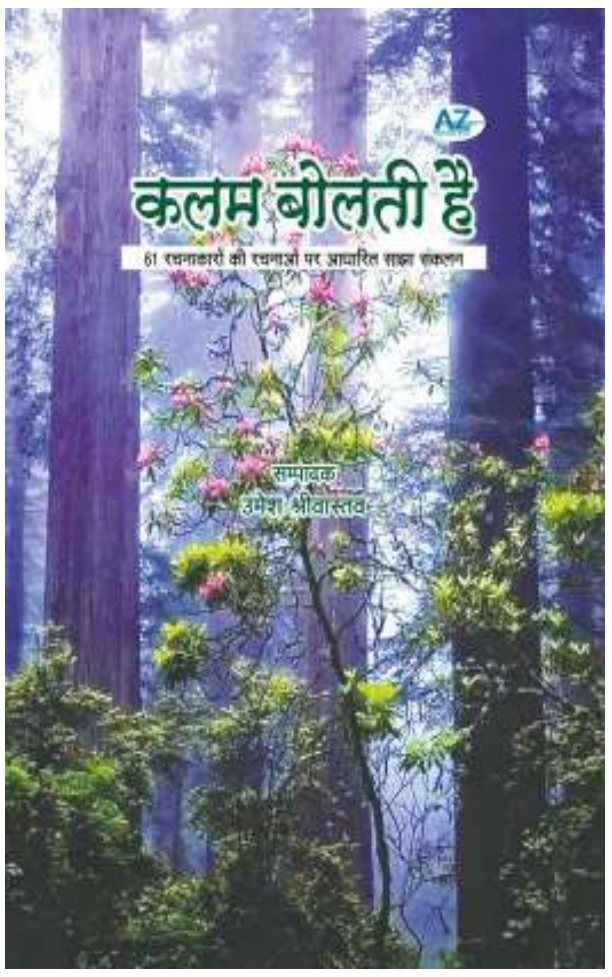

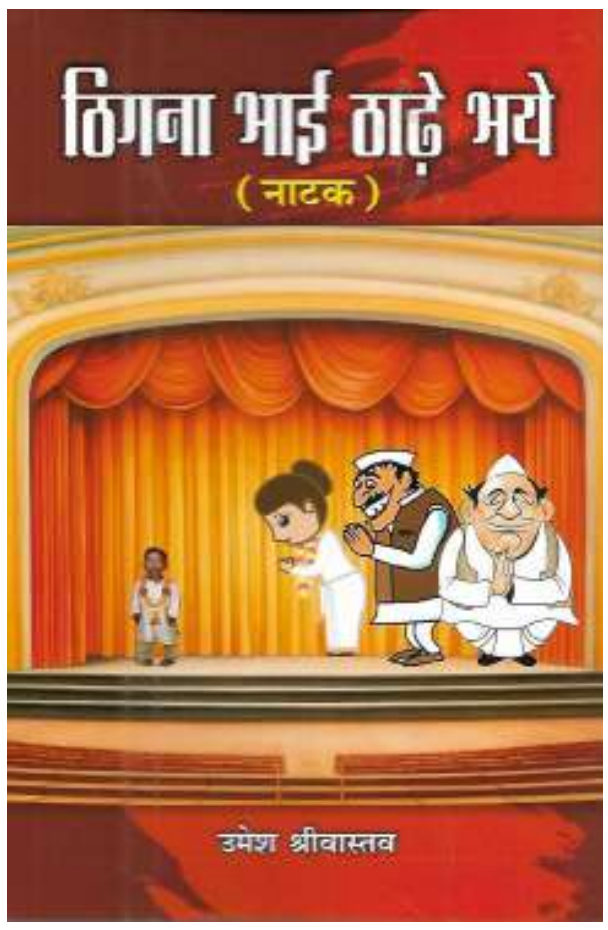

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

परमाणु ऊर्जा संयंत्र मामले में हसीना के खिलाफ पांच अरब डॉलर के भ्रष्टाचार की जांच शुरू

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में एक भ्रष्टाचार रोधी समिति ने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के गबन के आरोपों के संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के खिलाफ जांच शुरू की है। इस संबंध में मीडिया में रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। भारतीय कंपनियां बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में शामिल हैं। इसका निर्माण रूस की सरकारी कंपनी रोसातम कर रही है। रूस द्वारा डिजाइन किया गया पहला बांग्लादेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र, रूपपुर बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 160 किलोमीटर पश्चिम में बनाया जा रहा है। 'बीडीन्यूज' ने रविवार को बताया कि हसीना के साथ उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय और उनकी भांजी एवं ब्रिटेन की वित्त मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक से भी पूछताछ की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के गबन का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटनाक्रम उच्च न्यायालय द्वारा एक नियम जारी करने के दो दिन बाद हुआ है, जिसमें पूछा गया था कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना से हसीना, जॉय और ट्यूलिप द्वारा मलेशियाई बैंक को पांच अरब अमेरिकी डॉलर के कथित हस्तांतरण पर भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) की निष्क्रियता को अवैध क्यों न घोषित किया जाए। एसीसी दस्तावेजों के अनुसार, रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों को नेशनल डेमोक्रेटिक मूवमेंट (एनडीएम) के अध्यक्ष बॉबी हज्जाज सामने लाए थे। हसीना पांच अगस्त से भारत में हैं। 77 वर्षीय हसीना छात्रों के नेतृत्व में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर चली गई थीं। छात्रों के इस आंदोलन के कारण उनकी 16 साल पुरानी सरकार गिर गई थी। उनकी बहन रेहाना भी उनके साथ हैं। जॉय अमेरिका में रहते हैं, जबकि उनकी भांजी ट्यूलिप ब्रिटेन की सांसद हैं। बांग्लादेश स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों तथा सैन्य एवं नागरिक अधिकारियों के खिलाफ ''मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार'' के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। प्रदर्शनों के सिलसिले में दर्ज हत्या के कई मामलों में भी उनका नाम शामिल है।

संक्षिप्त

तुर्की में बड़ा हादसा, फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, 12 की मौत

उत्तर पश्चिम तुर्की में एक हथियार कारखाने में मंगलवार सुबह हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। सरकारी अनादोलु एजेंसी के अनुसार, यह विस्फोट बालिकेसिर प्रांत में स्थित फैक्ट्री की कैप्सूल उत्पादन सुविधा में हुआ। बालिकेसिर के गवर्नर इस्माइल उस्तोग्लू ने कहा कि विस्फोट से कैप्सूल उत्पादन इमारत ढह गई और आसपास की इमारतों को मामूली क्षति हुई। स्थानीय गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने पुष्टि की कि विस्फोट बालिकेसिर प्रांत के करेसी जिले में हुआ। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, 12 कर्मचारियों की मौत हो गई, और चार अन्य को

घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मैं हमारे मृत नागरिकों पर ईश्वर की दया और हमारे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। बाद में घायलों की संख्या संशोधित कर पांच कर दी गई और अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनकी चोटें जीवन के लिए खतरा नहीं थीं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि विस्फोट के समय फैक्ट्री के अंदर कोई कर्मचारी नहीं था और आग बुझा दी गई थी। विस्फोट, जो सुबह 8:25 बजे (0525 ळडज) हुआ, विस्फोट की ताकत के कारण संयंत्र का एक हिस्सा ढह गया। आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने उल्लेख किया कि विस्फोट का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि हम यह निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं कि इसका कारण क्या था।

पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने महत्वपूर्ण दस्तावेजों के लिए पोलियो टीकाकरण को अनिवार्य बनाया

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय सरकार ने फैसला किया है कि वह अब पोलियो टीकाकरण से इनकार करने वाले परिवारों को जन्म, मृत्यु या विवाह प्रमाण–पत्र जारी नहीं करेगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह कदम प्रांत में जारी पोलियो उन्मूलन अभियान को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि नए निर्देश के तहत, व्यक्तियों को इन आवश्यक दस्तावेजों को जारी करवाने के लिए यह सुनिश्चित

करना होगा कि उनके बच्चों का पोलियो टीकाकरण हो। यह निर्देश विशेष रूप से पेशावर और उसके आसपास के क्षेत्रों तथा निकटवर्ती ग्राम परिषदों को ध्यान में रखकर जारी किया गया है, जिसका उद्देश्य उन क्षेत्रों में टीकाकरण दर में सुधार लाना है जहां टीकाकरण के प्रति विरोध एक चुनौती बना हुआ है। पेशावर के उपायुक्त द्वारा हाल में जारी एक अधिसूचना में जिला स्वास्थ्य अधिकारी और चिकित्सा अधिकारी को चेतावनी दी गई है कि आदेश का पालन न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने कहा, ''इस निर्णय से यह सुनिश्चित होगा कि हर बच्चे का टीकाकरण हो। हम भविष्य की पीढ़ियों को पोलियो से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

हूती नेताओं के भी सिर कलम कर देंगे, इजरायल ने पहली बार स्वीकार की हमास नेता हानिया की हत्या कराने की बात

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि इजराइल ने जुलाई में ईरान में हमास नेता इस्माइल हानियेह की हत्या की थी, जिससे गाजा में इजराइल के युद्ध और संघर्ष से हिले हुए क्षेत्र में तेहरान और उसके कट्टर दुश्मन इजराइल के बीच तनाव बढ़ गया है। इन दिनों, जब हूती आतंकवादी संगठन इज़राइल पर मिसाइलें दाग रहा है। मैं अपनी टिप्पणी की शुरुआत में उन्हें एक स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं हमने हमास को हराया है, हमने हिजबुल्लाह को हराया है, हमने ईरान की रक्षा प्रणालियों को अंधा कर दिया है और उत्पादन को नुकसान पहुंचाया है। काट्ज ने कहा कि हमने सीरिया में असद शासन को उखाड़ फेंका है, हमने बुराई की धुरी को एक गंभीर झटका दिया है, और हम यमन में हौथी आतंकवादी संगठन को भी एक गंभीर झटका देंगे, जो आखिरी बार खड़ा हुआ है। इजराइलउ नके रणनीतिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाएगा, और हम उनके नेताओं के सिर काट देंगे। जैसा कि हमने तेहरान, गाजा और लेबनान में हनियेह, सिनवार और नसरल्ला के साथ किया था। यमन में ईरान समर्थित समूह इजरायल पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू करने की कोशिश करने के लिए एक साल से अधिक समय से लाल सागर में वाणिज्यिक शिपिंग पर हमला कर रहा है,

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

कनाडा में पहली बार यहूदियों को बचाने कूद पड़े हिंदू, मच गया बवाल

कनाडा, एजेंसी। कुछ समय पहले की ही बात है जब भारत और इजरायल के दो लड़के अपने देश के सम्मान के लिए कट्टरपंथियों से भिड़ते नजर आए थे। उस वक्त इस खबर ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। लेकिन कनाडा से आई खबर को सुनकर इजरायल भी भारत की तारीफ करने से नहीं रह पाएगा। कनाडा में अब यहूदियों को बचाने के लिए हिंदू मैदान में आ गए हैं। हिंदुओं ने कनाडा की धरती पर जय श्री राम के नारे लगाए और कहा कि यहूदियों के साथ हम खड़े हैं। आपको बता दें कि कनाडा में यहूदियों और हिंदुओं दोनों के खिलाफ नफरत बढ़ती जा रही है। कनाडा के काफी लोग खासकर खालिस्तानी हिंदुओं और यहूदियों से नफरत करते हैं। मगर अब कनाडा के टोरंटो शहर में हिंदू लोग बड़ी संख्या में यहूदियों की रक्षा के लिए उतर आए। जस्टिन ट्रूडो के राज में यहूदी विरोधी घटनाओं, धमकियों और हेट क्राइम में जबरदस्त इजाफा हुआ है। कुछ समय पहले कनाडा ने इजरायल को ऐसा जख्म दिया था जिसे देख यहूदियों की आंखें भर आई थी। कनाडा ने अपनी संसद में 98 साल के एक व्यक्ति को सम्मनाति किया था। लेकिन आप ये जानकर हैरान हो जाएंगे कि ये व्यक्ति हिटलर की नाजी सेना का अधिकारी थी। जिसने हजारों यहूदियों को मारा था। कनाडा के स्पीकर को यहूदियों से माफी मांगनी पड़ गई। अब कनाडा में हिंदुओं और यहूदियों ने हाथ मिला लिया है। ब्रिटेन में भी हिंदुओं और यहूदियों के खिलाफ प्रदर्शन होते रहे हैं। कुछ दिनों पहले की ही बात है लंदन में भारतीय लड़का खालिस्तानियों के बीच कूद पड़ा था और वहां से तिरंगे को उठा लाया था। भारत के इस लड़के से तिरंगे का अपमान नहीं देखा गया। इसके अलावा लंदन में ही हमास समर्थक रैली में एक इजरायली लड़का घुस गया। सैकड़ों की संख्या में हमास समर्थक इजरायल को लेकर बुरा–भला कह रहे थे। इजरायली व्यक्ति ये देख नहीं पाया। इजरायल के इस लड़के ने बोला कि हमास ने हमारे सैकड़ों लोगों को मार दिया। लेकिन फिर भी ये लोग फिलिस्तीन के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं। ये लोग इतने डरपोक हैं कि मास्क पहनकर रैलियां निकाल रहे हैं। इनमें इतनी हिम्मत भी नहीं है कि अपनी शक्ल दिखा पाए।

म्यांमार बांग्लादेश सीमा पर जमा हुए 60 हजार रोहिंग्या, अराकान आर्मी ने मचाई तबाही

म्यांमार की जातिय हिंसा की आग पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित कर रही है। बात रखाइन राज्य के बढ़ते संकट और आराकान आर्मी के कहर की बात कर रहे हैं। आराकान आर्मी और जुंटा सेना की बीच संघर्ष ने हजारों रोहिंग्या मुसलमानों को देस छोड़ने पर मजबूर कर दिया। सिर्फ दो महीनों के अंदर 60 हजार से ज्यादा रोहिंग्या बांग्लादेश पहुंचे हैं। दरअसल, बांग्लादेश का रखाइन राज्य एकबार फिर हिंसा का केंद्र बन चुका है। आराकान आर्मी जो एक विद्रोही संगठन है उसने बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों पर कब्जा कर लिया। म्यांमार की जुंटा सेना फिर से इस इलाके को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रही। इस संघर्ष के बीच हजारों रोहिंग्या और अन्य अल्पसंख्यक अपनी जान बचाने के लिए म्यांमार छोड़कर भाग रहे हैं। लगातार आराकान आर्मी रोहिंग्याओं को निशाना बना रही और उसे म्यांमार से भगा रही है। साल 2017 से शुरू हुआ रोहिंग्या संकट आज और भी गहरा हो चुका है। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में पहले से 12 लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरण ले चुके हैं। हाल ही में 60 हजार नए रोहिंग्या शरणार्थी बांग्लादेश पहुंचे। बांग्लादेशी अधिकारियों का कहना है कि ये लोग अलग अलग रास्तों और दलालों के जरिए सीमा पार कर रहे हैं। बांग्लादेश की सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है कि हम उन्हें शरण देने के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन हालात हमें मजबूर कर देते हैं। आराकान आर्मी की बढ़ती ताकत ने म्यांमार बांग्लादेश बॉर्डर पर हालात और बिगाड़ दिए हैं। आराकान आर्मी ने बांग्लादेश से सटे इलाकों पर कब्जा कर लिया। इन इलाकों पर पहले जुंटा सेना का नियंत्रण था। लेकिन अब ये आराकान आर्मी के हाथ में है। रखाइन इलाका हमेशा से ही बुद्धिस्त लोगों का रहा है। लेकिन रोहिंग्याओं ने जब बुद्धिस्ट लोगों को मारना शुरू कर दिया तो इसका बदला लेने के लिए

साल 2009 में आराकान आर्मी की स्थापना की गई। अभी तक तो ये सिर्फ रोहिंग्याओं से ही जंग लड़ रही थी। लेकिन जब से बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की सरकार आई है आराकान आर्मी ने बांग्लादेश पर भी हमले शुरू कर दिए हैं। आराकान आर्मी का मानना है कि बांग्लादेश में यूनुस सरकार आने के बाद रोहिंग्या मजबूत हो सकते हैं।

ट्रम्प की जीत के बाद भारत की ओर से पहली बड़ी यात्रा, विदेश मंत्री जयशंकर 24–29 दिसंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे

विदेश मंत्री एस जयशंकर 24 दिसंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका की छह दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक अपडेट में विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि यह यात्रा 24 से 29 दिसंबर के बीच होगी। विदेश मंत्रालय अफेयर्स ने कहा है कि विदेश मंत्री प्रमुख द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समकक्षों से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार से शुरू होने वाली अपनी यात्रा में जयशंकर अमेरिका में भारत के महावाणिज्य दूत के एक सम्मेलन की अध्यक्षता भी करेंगे। विशेष रूप से, डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद यह भारत से अमेरिका की पहली उच्च स्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले 19 दिसंबर को भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अमेरिका–भारत साझेदारी की क्षमता पर प्रकाश डाला था, जिसमें टैरिफ कम करने और व्यापार बढ़ाने और इसे अधिक निष्पक्ष और समान बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। यूएस–इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गार्सेटी ने कहा हमें साथ मिलकर टैरिफ कम करने की जरूरत है, न कि उन्हें बढ़ते हुए देखने की। हमें साथ मिलकर व्यापार बढ़ाने और इसे सफल बनाने की जरूरत है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इंडो–पैसिफिक के दोनों किनारों पर कंपनियों की जरूरतों को पूरा करने वाला प्रशिक्षण और प्रतिभा हो। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने ट्रेडमार्क और अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा करनी होगी, और हमें यह सुनिश्चित करना होगा।

ट्रेन में महिला को जिंदा जलाने का आरोपी अवैध अप्रवासी, पुलिस के खुलासे पर मस्क बोले– वाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में सबवे ट्रेन में एक महिला को जिंदा जलाने वाला आरोपी एक अवैध अप्रवासी है। जांच में खुलासा हुआ है कि उसे पहले निर्वासित कर दिया गया था, लेकिन वह फिर से अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हो गया। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हैरानी जताई।

अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुआ आरोपी

पुलिस ने आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि ग्वाटेमाला के निवासी सेबेस्टियन जेप्टा ने कॉने आइलैंड और स्टिलवैल एवेन्यू के बीच चलने वाली सबवे ट्रेन में एक

महिला को जिंदा जला दिया। इस घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस जांच में पता चला है कि जेप्टा को साल 2018 में अमेरिका के एरिजोना में बॉर्डर पुलिस ने अवैध रूप से सीमा पार करते हुए पकड़ा था। इसके बाद जेप्टा को निर्वासित कर दिया गया था, लेकिन वह फिर से अमेरिका में दाखिल हो गया। हालांकि जेप्टा फिर से कैसे और कब अमेरिका पहुंचा, इसका पता नहीं चला है। जेप्टा के इस खुलासे को लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ लिखा जा रहा है। ऐसे ही एक सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने लिखा– वाह। दरअसल मस्क अवैध अप्रवासन के विरोधी हैं और राष्ट्रपति चुनाव में अवैध अप्रवासन का मुद्दा खूब गरमाया था। यही वजह है कि मस्क ने जेप्टा के अवैध रूप से अमेरिका में आने के लिए मौजूदा सरकार पर तंज कसा।

लाइटर से आग लगाने का आरोप जेप्टा पर आरोप है कि उसने लाइटर से महिला के कपड़ों में आग लगा दी, जिससे कुछ ही सेकेंड में जलकर महिला की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने इसे किसी इंसान का इंसान के प्रति सबसे घृणित अपराध कहा है। घटना के कुछ घंटे बाद ही जेप्टा को गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस का कहना है कि जेप्टा की जेब से लाइटर भी बरामद किया गया था। पुलिस ने अभी तक मृतका की पहचान उजागर नहीं की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।